RNI No. :BIHHIN/2013/53084

संपादक
अभिजीत कुमार, 9431006107

संयुक्त संपादक
प्रो. नीरज कुमार सिंह, 9431049337

प्रधान संपादक
राजीव कुमार, 9431210181

सहायक संपादक
प्रभाकर कुमार राय/एस. एन. श्याम

प्रबंध संपादक
मुकेश कुमार सिंह, 9534207188

कॉन्सेप्ट एडिटर
अनूप कुमार शर्मा

विधि सलाहकार
वीणा कुमारी जयसवाल, पटना हाई कोर्ट

बिहार ब्यूरो
अनूप नारायण सिंह

मुख्य संवाददाता
सोनू सिन्हा,9431006189
आशीष कुमार

जिला ब्यूरो
बेगूसराय : विरेश कुमार सिंह, 9430415316
अमित सिंह, 9430595995
भागलपुर प्रमंडल : राजेश पंजिकार, (ब्यूरो चीफ), 9334114515
सहरसा : आशीष कुमार झा, 9430633262
समस्तीपुर : मृत्युंजय कुमार ठाकुर, 8406039222
राजेश कुमार, 8539007850
चांदन : अमोद कुमार दूबे : 8578934993
हसनपुर : विजय चौधरी : 9155755866
दरभंगा : जाहिद अनवर : 8541849415
बाराहाट : हेमन्त कुमार (संवाददाता)
सुईया : चन्द्रशेखर मिश्र (संवाददाता)
बिहार-झारखंड : अभिनव कुमार
9771654511
दिल्ली : नवल वत्स
ग्रेटर नोएडा : अरमान कुमार, 8920215318

प्रधान कार्यालय
गिरिराज सदन, हनुमान नगर, संजय गांधी नगर, काली मंदिर रोड़ नं.- 7, पटना - 800 020 (बिहार)
मो.- 9431006107, 9939815347
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक : अभिजीत कुमार गिरिराज सदन, हनुमान नगर, संजय गांधी नगर, काली मंदिर रोड़ नं.- 7 पटना - 800 020 (बिहार) से प्रकाशित व एस. एम. ऑफसेट पंडुईकोठी लंगर टोली, डीएन दास लेन, पटना-800 004,से मुद्रित।

पत्रिका में प्रकाशित किसी भी रचना के विवाद के लिए लेखक स्वयं जिम्मेवार होंगे। इसके लिए संपादक से सहमति जरूरी नहीं। पत्रिका से संबंधित सभी विवादों का निबटारा पटना उच्च न्यायालय से होगा।

संरक्षक

डॉ. संजय मयूख
राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी भाजपा

जय जयराम सिंह
समाजसेवी

अरुण कुमार सिंह
रिटायर कॉमेंडेट

चर्चित बिहार

वर्ष : 6, अंक :2, अक्टूबर 2018, मूल्य : 15/- राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

11 पूर्वांचल महाकुंभ : महागठबंधन कर रही है पीएम नरेंद्र मोदी ...

नौजवान जिधर चलते हैं ... 17

प्रतिभा किसी पहचान ... 21

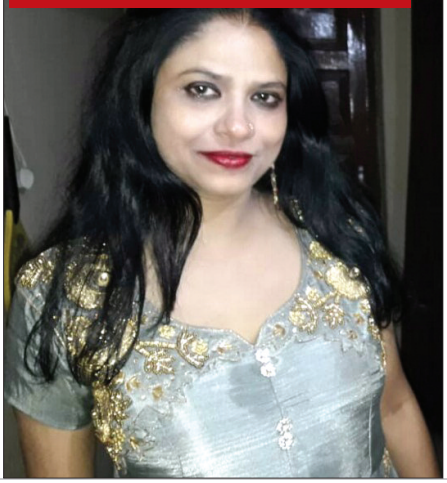

निशाने बाजी में बिहार ... 39

भारत 'आयुष्मान' बन सकेगा!

अभिजीत कुमार
संपादक
9431006107
cbhindi.news@gmail.com

पंचसितारा नुमा अस्पतालों में इलाज गरीबों के लिये संभव नहीं है। ऐसी विषम एवं त्रासद स्थितियां के बीच सरकार ने गरीबों, वंचितों एवं अभावग्रस्तों को लाभ पहुंचाने वाली कोई योजना शुरू की है तो उसके विरोध का औचित्य समझ से बाहर है। योजना को लेकर कोई दुविधा या गतिरोध है तो बातचीत से उसे सुलझाना चाहिए। सरकार को इस योजना से जुड़ी बाधाओं को सबसे पहले दूर करना चाहिए। सबसे पहले देश के हर जिले में बड़े-बड़े अस्पताल खोलने चाहिए और हर डॉक्टरी पास करनेवाले छात्र को अनिवार्य रूप से गांवों के अस्पतालों में सेवा के लिए भेजना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि दुनिया की यह सबसे बड़ी लोक-कल्याणकारी योजना भारत में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार का जरिया बन जाए। अतः सरकार को गैर-सरकारी डॉक्टरों और अस्पतालों को कड़े नियंत्रण में रखना होगा। आदिवासी जननायक बिरसा मुंडा की धरती रांची से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आयुष्मान भारत' के नाम से जिस आरोग्य योजना को शुरू किया है, वह निश्चय ही दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। 50 करोड़ लोगों को पांच लाख तक का स्वास्थ्य बीमा देने वाली यह दुनिया की अपनी तरह की सबसे बड़ी योजना है। यह एक महत्वाकांक्षी एवं अनूठी योजना है, अनूठी इसलिये है कि दुनिया का कोई देश ऐसा नहीं है, जहां करोड़ों लोगों को पांच लाख रु. तक का इलाज हर साल मुफ्त में कराने की सुविधा मिले। आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ इस योजना के अन्तर्गत आपके घर के पास ही उत्तम इलाज की सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है, इसके लिये देशभर में डेढ़ लाख वैलनेस सैंटर तैयार करने का सरकार का लक्ष्य है। इस योजना का फायदा लेने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है। आधार कार्ड एक विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है, सरकार ने इसे अनिवार्य नहीं किया है। इस योजना के लिये भाजपा सरकार और उसके स्वास्थ्य मंत्री बधाई के पात्र हैं। लेकिन असली सवाल यह है कि यह लोक-कल्याणकारी योजना कई अन्य अभियानों की तरह सिर्फ नारेबाजी बनकर न रह जाए। प्रश्न यह भी है कि क्या भारत में 50 करोड़ लोगों के इलाज के लिए पर्याप्त डॉक्टर और अस्पताल हैं? क्या बीमा राशि पांच लाख में कैंसर जैसी खचीर्ली बीमारियों का भी इलाज संभव है? प्रश्न यह भी है कि यह योजना कोरी राजनीति लाभ का जरिया बनती है या धरातल पर भी वास्तविक रूप में साकार होती है? हम स्वर्ग को जमीन पर नहीं उतार सकते, पर बुराइयों से तो लड़ अवश्य सकते हैं, यह लोकभावना जागे, तभी भारत आयुष्मान बनेगा। आयुष्मान भारत के लिये 2011 के सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना में गरीब के तौर पर चिह्नित किए गए सभी लोगों को पात्र माना गया है। मतलब अगर कोई शख्स 2011 के बाद गरीब हुआ है, तो वह कवर से वंचित हो जाएगा। बीमा कवर के लिए उम्र, परिवार के आकार को लेकर कोई बंदिश नहीं है। एनएचए ने 14,000 आरोग्य मित्रों को अस्पतालों में तैनात किया है। इनके पास मरीजों की पहचान सत्यापित करने और उन्हें इलाज में मदद करने का काम है। पूछताछ और समाधान के लिए भी मरीज इन लोगों से संपर्क कर सकेंगे। 29 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों के 445 जिले के लोगों को योजना का लाभ मिलेगा। हैरानी की बात तो यह है कि दिल्ली, केरल, ओडिशा, पंजाब और तेलंगाना इस योजना को अपने यहां लागू नहीं कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल ने भी अभी तक इस योजना पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं। इन राज्यों ने कहा है कि इससे मिलती-जुलती योजना उनके राज्य में पहले से ही चल रही है। कुछ का कहना है कि यह योजना एक सफेद हाथी है। कुछ का मानना है कि वे इससे बेहतर योजना खुद के भरोसे चला सकते हैं। समझ में नहीं आता कि भारत के गैर-भाजपाई राज्यों ने इसे स्वीकार क्यों नहीं किया। यदि यह अभियान सफल हो जाए याने देश में शिक्षा और स्वास्थ्य ठीक हो जाए तो भारत को महाशक्ति बनने से कौन रोक सकता है? साफ दिख रहा है कि इस योजना को लेकर जिस तरह की स्थितियां देखने को मिल रही है, उसका कारण राजनीतिक है। लेकिन एक अच्छी एवं जनोपयोगी योजना को इसलिये नहीं स्वीकारना कि वह भाजपा सरकार की योजना है, संभवतः जनता के हितों को नकारने के बराबर है। जनता की भलाई को राजनीतिक नजरिये से देखना दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है।

पीएम मोदी ने लांच की आयुष्मान भारत योजना, कहा

अमीरों की तरह अब गरीब भी करा सकेंगे इलाज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड से देश को विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' आयुष्मान भारत की सौगात दी है। जिसका लाभ दस करोड़ चयनित परिवारों के लगभग पचास करोड़ लोगों को मिलेगा। इससे लाभार्थी पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करा सकेगा। इसी के साथ प्रधानमंत्री ने चाईबासा और कोडरमा में 600 करोड़ की लागत से बनने वाले मेडिकल कॉलेज और रांची, बोकारो एवं जमशेदपुर में दस वेलनेस सेंटर का भी उद्घाटन किया। इस योजना से 13 हजार सरकारी और निजी अस्पतालों को जोड़ा गया है। रांची के प्रभात तारा मैदान पर उमड़ी करीब सवा लाख की भीड़ को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में बेहतर इलाज कुछ लोगों तक सीमित न रहे बल्कि गरीब भी करा सकें, इसी लक्ष्य के साथ यह योजना राष्ट्र को समर्पित की जा रही है।

देश की 50 करोड़ की आबादी को पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा अपनी तरह की सबसे बड़ी योजना है। योजना से जुड़ने वाले लाभार्थियों की संख्या यूरोपियन यूनियन के 27-28 देशों की आबादी से कहीं अधिक है। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में रहने वालों से अधिक है।

गरीबी हटाओ का नारा देने वालों ने गरीबों की आंखों में झोंकी धूल

प्रधानमंत्री ने किसी राजनीतिक दल का नाम लिए बगैर कहा, गरीबी हटाओ का नारा देकर गरीबों की आंखों में धूल झोंकी गई है। उन्हें वोट बैंक के लिए ही इस्तेमाल किया जाता रहा।

गरीबों ने ही हिन्दुस्तान का नाम रौशन किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब परिवार के लोगों ने ही हिन्दुस्तान का नाम रौशन किया है। एशियन गेम्स में पदक जीतने वाले ज्यादातर गरीब परिवार से थे। मौका मिला तो इन्होंने देश का नाम रौशन किया। इसलिए हमारी सारी योजनाएं गरीबों को मजबूत करने के लिए हैं। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा कहीं भी जाने वाला व्यक्ति हो उसे इस योजना का लाभ मिलेगा।

क्या हैं फायदे

- सरकारी ही नहीं, निजी अस्पतालों में भी होगा इलाज
- 1300 बीमारियों का इलाज होगा
- जांच, इलाज और दवा का खर्च शामिल
- पहले से कोई बीमार है तो भी उसका इलाज होगा
- अस्पताल में ई-कार्ड दिखाइए, इलाज कराइए
- आशा, एएनएम बहनें और आरोग्य मित्र अस्पताल में आपकी मदद करेंगे
- 14555 नंबर पर फोन कर लोग जान सकते हैं कि आयुष्मान योजना में उनका नाम है कि नहीं

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य के क्षेत्र में लंबी छलांगः नड्डा

इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत स्वास्थ्य के क्षेत्र में लंबी छलांग है। पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। उनके मुताबिक, गोल्डन कार्ड से मुफ्त इलाज होगा। आपात स्थिति में पास में कार्ड नहीं होने पर अंगूठा लगाकर इलाज करा सकेंगे। यह योजना पेपरलेस, कैशलेस होगी। देश में कहीं भी मरीज इलाज करा सकता है।

इनमें मिलेगा लाभ

1350 प्रकार के प्रोसेड्योर में, जिनमें इनडोर सुविधा, दवा, ऑपरेशन, तमाम तरह के मेडिकल चार्ज तथा फालोअप शामिल है।

इनमें नहीं मिलेगा लाभ

ओपीडी, जन्मजात बाह्य रोग, कॉस्मेटिक सर्जरी, टीकाकरण, प्रजनन संबंधित उपचार, ड्रग्स से संबंधित बीमारियां, आर्गन ट्रांसप्लांट आदि।

लाभ नहीं मिलने पर यहां करें शिकायत

टोल फ्री नंबर 14,555 पर या उपायुक्तों की अध्यक्षता में गठित जिलास्तरीय शिकायत निवारण समिति के पास। आप लाभुक हैं या नहीं जानने के लिए 'एम आई इलिजिबल' पोर्टल भी है।

पांच लाभुकों को सौंपे गोल्डन कार्ड

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में पांच लाभुकों को गोल्डन कार्ड सौंपे।

आयुष्मान भारत योजना को झारखंड में रोल मॉडल बनाने में मदद करें- रघुवर दास, मुख्यमंत्री

दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत की लॉन्चिंग झारखंड से की गई। यह हमारे राज्य और यहां के सवा तीन करोड़ जनता के लिए गौरव की बात है। अब हमें मिलकर इस योजना को जल्द से जल्द सफल बनाना है। इस योजना के क्रियान्वयन में झारखंड रोल मॉडल बने, इसके लिए हम सब को प्रयास। करना है लोग चर्चा करें कि आयुष्मान भारत के क्रियान्वयन को देखना है तो झारखंड जाए ऐसी व्यवस्था खड़ी करनी है। इससे हमारे राज्य का मान बढ़ेगा। इस योजना का लाभ गरीब, शोषित और वंचितों को मिलेगा। जन सहयोग से हम व्यवस्था को व्यवस्थित करने में सफल होंगे। उक्त बातें मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने स्कीपा सभागार में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत के अंतर्गत राज्य के निजी अस्पतालों के संचालकों के साथ आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे।

जल्द ही स्टेट हेल्थ एडवाइजरी कमिटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए जल्द ही स्टेट हेल्थ एडवाइजरी कमिटी बनाई जाएगी, जिसमें निजी अस्पतालों के संचालक भी प्रतिनिधि के रूप में शामिल होंगे। इस कमेटी के अंतर्गत एक टेक्निकल कमिटी भी होगी, जो योजना लागू करने में आ रही समस्याओं व अस्पतालों की समस्याओं पर चर्चा कर सुझाव देगी। इस कमेटी की बैठक हर माह होगी।एडवाइजरी कमेटी की अनुशंसा को राज्य सरकार लागू करेगी। जनहित में हर प्रकार का निर्णय लागू करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

सभी लाभुकों को इसका पूरा लाभ मिले

उन्होंने कहा कि जन सहयोग से व्यवस्था को अच्छी तरह से लागू किया जा सकता है। अस्पतालों की जो परेशानियां है, उसे दूर करने के लिए सरकार पूरी तरह से तत्पर है।उसी प्रकार सरकार अस्पताल से भी के योजना के तहत आने वाले सभी लाभुकों को इसका पूरा लाभ मिले, इसे सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने कहा कि यह बहुत बड़ा कार्य है। बड़े कार्य को व्यवस्थित करने में कठिनाई आती है। शुरू में आलोचनाएं भी होंगी, लेकिन उससे घबराना नहीं है। आलोचना को अवसर बनाकर हमें काम करना है। हम मानते हैं कि अभी व्यवस्था में कमी है लेकिन हमारी सोच और हमारे इरादों में कमी नहीं है। मजबूत सोच और इरादों के साथ काम करने पर सफलता अवश्य मिलती है।

आरोग्य मित्र व मेडिकल कोऑर्डिनेटर की भूमिका महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री ने अस्पताल संचालको से कहा कि मरीजों की मदद के लिए तैनात आरोग्य मित्र व मेडिकल कोऑर्डिनेटर को सही जानकारी दें।उन्हें मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करने और उनकी हर प्रकार से मदद करने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही इस बात का भी अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें कि इस योजना का लाभ लेने के लिए गोल्डन कार्ड की जरूरत नहीं है। जिस किसी के पास भी राशन कार्ड है, वह राशन कार्ड ले जाकर अस्पताल में दिखाएं, योजना का लाभ लेने के लिए यही काफी है।

ऐसा कार्य करके जाएं आने वाली पीढ़ी आपको वर्षों तक याद रखें

इलाज में किसी प्रकार की कोताही ना हो, अस्पताल संचालकों से इस का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने कहा कि कभी कभी शिकायतें मिलती हैं कि जरूरत नहीं पड़ने पर भी मरीजों को अतिरिक्त दिन अस्पताल में ही भर्ती रखा जाता है। अतिरिक्त पैसे चार्ज किए जाते हैं। यह अनैतिक है। इससे धन तो मिलेगा, लेकिन साथी पीड़ित परिवार की आह भी लगेगी। ईमानदारी से धन कमाए और जो भी अधिक धन कमाए उसे गरीबों के कल्याण पर खर्च करें। इससे गरीबों का आशीर्वाद मिलेगा। सबसे बड़ी दौलत है यश। ऐसा कार्य करके जाएं आने वाली पीढ़ी आपको वर्षों तक याद रखें।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष के बजट में पहले ही राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि राज्य के 57 लाख परिवारों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा किया जाएगा। इसी बीच केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत लांच की। जिसमें राज्य के 28 लाख परिवारों को उसका लाभ मिलना था। राज्य सरकार ने योजना में और 29 लाख परिवारों को शामिल किया और अब 57 लाख परिवारों को 5 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा। यह गरीबों के लिए बहुत बड़ी सेवा होगी। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा था कि गरीबों के जीवन में बदलाव लाकर ही हमारा देश भारत विश्व गुरु बन सकता है। इसका प्रयास आयुष्मान भारत योजना से शुरू हो चुकी है।

प्रजातंत्र में अधिकार व कर्तव्य का साथ साथ होना जरूरी है-सुमित्रा महाजन, लोकसभाध्यक्ष

भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक देश है। सभी के मन में मेरा राष्ट्र का भाव जरूरी है, नहीं तो प्रजातंत्र का लक्ष्य समाप्त हो जायेगा। प्रजातंत्र में अधिकार व कर्तव्य का साथ साथ होना जरूरी है। हर नागरिक का कर्त्तव्य है कि वह देश के लिए कुछ करे। हमें देश के प्रति जागरूक रहना होगा। प्रजातंत्र जनता का, जनता के लिए व जनता के द्वारा शासन है। इसलिए सरकार के साथ साथ जनता की भी भागीदारी आवश्यक है। उक्त बातें लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहीं। वे खेलगांव में आयोजित लोकमंथन कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं।

श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि जब हम देश व अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक नहीं थे, हमारे देश को लूटा गया। इंग्लैंड के म्यूजियम में आज भी हमारे देश से ले जाये गये बेशकीमती समान रखे हुए हैं।

श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि प्रजातंत्र में सरकार की आलोचना जरूरी है। लेकिन आलोचना से सकारात्मक सोच आनी चाहिए। देश में सामाजिक समरसता के लिए आत्मचिंतन, आत्म निरीक्षण जरूरी है। आजादी के 70 साल के बाद हम कहां पहुंचे हैं, इसका चिंतन जरूरी है। लोकमंथन विचारों का कुंभ है। इसमें देश, काल व स्थिति पर तीन दिन मंथन हुआ है। प्रज्ञा प्रवाह की परिकल्पना वाद और संवाद है। संवाद से समाज के लिए भविष्य की दिशा तय होती है।

मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने कहा कि देश में सबसे ज्यादा समय तक शासन करनेवालों ने हमारे महापुरुषों के साथ भेदभाव वाला रवैया रखा। जिन लोगों ने देश के लिए कुबार्नी दी उन्हें भी इतिहास में उचित स्थान दिलाना जरूरी है। सरदार पटेल, नेताजी, शहीद भगत सिंह से लेकर सुखदेव, राजगुरु जैसे वीर सपूतों को वैसा सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे। इसी प्रकार झारखंड के वीर शहीद भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिदो-कान्हू समेत सभी शहीदों के योगदान को कमतर दिखाया गया। मार्टिन लुथर किंग की तरह ही बाबा साहब ने वंचितों के लिए लड़ाई लड़ी। देश को संविधान दिया। लेकिन उन्हें भारत रत्न के लायक नहीं समझा गया। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने उन्हें भारत रत्न दिया, जो उन्हें काफी पहले मिल जाना चाहिए था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश में मुट्ठीभर लोग राष्ट्रवाद, भारत की मुख्य भावनाओं को जीवित रखने के बजाए इसे कमजोर करने की कोशिश रहे हैं। वामपंथी इतिहासकारों ने दुनिया भर में भारत की गलत छवि पेश कर रहे हैं। ऐसे समय में लोक मंथन में चिंतन से निकला अमृत देश को संस्कृतिक राष्ट्रवाद को नयी दिशा देगी। हमारे देश में कई धर्म, कई संस्कृति के लोग रहते हैं। इसलिए हम सर्वधर्म सद्भाव को मानते हैं। हमारे लिए सभी धर्म एक जैसे हैं। हम सभी धर्मों में विश्वास करते हैं। भारत की परम्परा सभी धर्मों की इज्जत करना रहा है। हमारी संस्कृति सभी को साथ

लेकर चलने वाली संस्कृति है। हम धरती को माँ कहते हैं, धरती के साथ माँ और बेटे का संबंध सिर्फ भारत में ही है। इसलिए लोकमंथन के माध्यम से पूरे विश्व में भारत की संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम को विस्तार देने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड का लोक जीवन नृत्य, गीत एवं संगीत से परिपूर्ण है। आदिवासियों का इतिहास हजारों साल पुराना है। सदियों से हमारी संस्कृति को संभालकर राष्ट्र की मूलभूत धारा को समृद्ध करने में जनजाति समाज का बहुत बड़ा योगदान है। विकास की दौड़ में सम्मिलित होने के लिए आदिवासी समाज सजग हो गया है। आज समाज को तोड़ने वाली शक्तियां सक्रिय है, उन्हें परास्त कर हमें समाज को परम वैभव तक ले जाना है। सारा समाज मेरा अपना है- यह भाव जगाना है। हमारे भोले भाले आदिवासी भाई-बहनों को बहला-फुसला कर यहाँ बड़े पैमाने पर धर्मान्तरित हुए हैं। लेकिन हम हमने यहाँ कानून बना दिए हैं कि यदि किसी ने भी किसी को जबरन या लोभ देकर धर्मान्तरण कराया तो वे कानूनन जुर्म होगा। उन्होंने कार्यक्रम में आये सभी लोगों व इस आयोजन में लगे सभी कार्यकताओं को सफल आयोजन के लिए बधाई और धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष श्री दिनेश उरांव, कला संस्कृति मंत्री श्री अमर कुमार बाउरी, कला संस्कृति विभाग के सचिव श्री मनीष रंजन, प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय संयोजक श्री जे नंद कुमार, केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्री नंद कुमार इंदू, वेद विशेषज्ञ डॉ देवी सहाय पांडेय, रांची की मेयर श्रीमती आशा लकड़ा समेत बड़ी संख्या में गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एनडीए में 20-20 फॉमूर्ले पर बोले उपेंद्र कुशवाहा- क्रिकेट में रुचि नहीं, हमने गुल्ली-डंडा खेला है

राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार में सीट शेयरिंग के भाजपा के 20-20 फॉमूर्ले को इशारों-इशारों में खारिज कर दिया। कुशवाहा ने कहा, मुझे क्रिकेट में कोई रुचि नहीं। हमें कभी क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला। मैंने बचपन में गुल्ली-डंडा खेला है। इसके अलावा मुझे कोई दूसरा खेल समझ में नहीं आता।ह्व वह सोमवार को एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।

बिगड़ते कानून व्यवस्था को लेकर नीतीश पर साधा निशाना

उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। मुजफ्फरपुर में पूर्व मेयर हत्याकांड पर कुशवाहा ने कहा कि हे भगवान ये बिहार में क्या हो रहा है।

राजनीति में खिचड़ी, क्रिकेट सब चलता: जदयू

उपेंद्र कुशवाहा के बयान पर जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि सबको बोलने के लिए स्वतंत्रता है। राजनीति के मैदान में खीर, खिचड़ी, क्रिकेट, गुल्ली डंडा सब चलता है। सीट शेयरिंग पर अभी कोई बैठक नहीं हुई। ऐसे में इस मामले पर कुछ भी कहना सही नहीं होगा।

एनडीए में हो रही कुशवाहा की उपेक्षा-कांग्रेस

कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष कौकब कादरी ने कहा कि कुशवाहा की एनडीए में लगातार उपेक्षा हो रही है। राजनीति धुंध में नहीं पारदर्शिता से होती है। कुशवाहा जिस उद्देश्य से भाजपा के साथ जुड़े थे, वो पूरा नहीं हुआ। एनडीए में हर मामले में कुशवाहा को किनारे रखा जाता है।

क्या है 20-20 फॉमूर्ला ?

सूत्रों के मुताबिक एनडीए में सीटों के बंटवारे को लेकर 20-20 का फॉमूर्ला निकाला गया है। इस फॉमूर्ले के तहत लोकसभा चुनावों में 20 सीटों पर भाजपा और 20 सीटों पर अन्य सहयोगी दल लड़ेंगे। अन्य सहयोगी दलों में जदयू, लोजपा और रालोसपा शामिल है।

बिहार के चर्चित अलकतरा घोटाला में इलयास हुसैन को सजा

सत्ता की हनक में विलासितापूर्वक ज़िन्दगी जिने की चाहत ने ढ़लती उम्र में ढ़केला सलाखों के पीछे

मंत्री बनते ही धनोपार्जन करने में लिप्त हो गए थे राजद नेता

अखिलेश कुमार

बिहार सरकार के पूर्व पथ निर्माण मंत्री मोहम्मद इलयास हुसैन को अलकतरा घोटाला में रांची की विशेष सीबीआई न्यायालय ने चार वर्ष की सश्रम कारावास की सजा के साथ ही जुमार्ना भी लगाया है। अविभाजित बिहार के चतरा जाले से संबंधित 375 मीट्रिक टन के घोटाला में उनके निजी सचिव रहे सहाबुदीन बेग और एक अन्य को भी सजा के साथ जुमार्ना लगाया गया है। यह सजा केश नम्बर आरसी- 4ए- 97 में सुनाई गई है। जबकि उनके खिलाफ आरसी- 7-97, आरसी 11-97 में अभी ट्रायल चल रहा है। जब 1990 में लालू यादव के नेतृत्व में पहली बार सरकार बनी तो डेहरी विधान सभा से विधायक बने मोहम्मद हुसैन को पथ निर्माण मंत्री बनाए गए।सधारण मुकेरी परिवार से आने वाले हुसैन के पिता भगु हुसैन दो भाई थे, और वो कोलकाता में नौकरी करते थे। इलयास हुसैन को रातोरात अमिर बनने की चाहत किशोरावस्था से ही थी। और इसके लिए 'किसी ब्यवसाय" के दौरान असम में भी कानून का समना करना पड़ा था। उसी दौरान उन्हें एक हिन्दू लड़की से का साथ मिला और वह साथ प्यार में तलब्दिल होकर शादी रचाने पर मजबूर कर दिया, तथा औरंगाबाद के दाऊदनगर वाली पहली पत्नी से दुरियां बन गई।

हालाकि इससे पहले 1980 के विधान सभा चुनाव में भी हुसैन लोकदल के टिकट पर डेहरी से विधायक बने थे, लेकिन दुसरी बार 1990 में मंत्रिमंडल में जगह मिलने के बाद विलासितापूर्ण ज़िन्दगी जिने की चाहत ने इन्हें धनोपार्जन के तरफ मोड़ दिया और पथ निर्माण विभाग के ठेकेदारों तथा ट्रान्सपोटरों को माध्यम बनाया। पांच साल यानी 1990 से 95 के बीच ही रोहतास जिला अन्तर्गत अपने पैतृक गांव मुंजी और आस पास के भरत कस्बा, अधौरा, धारूपुर आदि गांवों में पन्द्रह एकड़ से अधिक जमीन खरीद ली, साथ ही सत्ता के प्रभाव से अपने गाँव के विवादित जमीन पर आलीशान भवन का निर्माण किया।

पुराने पैतृक मकान के जगह भी चमचमाता हुआ भवन खड़ा हो गया। इसके साथ ही पटना के सगुना मोड़ पर एक बड़े भूभाग पर आलीशान बिल्डिंग तथा जमीन के अलावा बिहार और बिहार के बाहर भी चल अचल सम्पत्ति खड़ा किये। मोहम्मद इलयास हुसैन पर ट्रान्सपोटरों से पैसा के साथ ही आग्नेयास्त्र लेने का भी आरोप है। साथ ही कहीं घुमने और वाहन व्यवस्था सहित कई तरह का खर्च भी ट्रान्सपोटर उठाते थे। इसमें डीएन शर्मा तथा जनार्दन का नाम प्रमुख रूप से आया है। 1995 में पुनः चुनाव जीतकर पथ निर्माण विभाग का कार्य संभालने के कुछ ही समय बाद अलकतरा घोटाला में संलिप्तता की बात उजार होने से मंत्री पद गंवाना पड़ा था। और 1997 में अलकतरा घोटाला से सम्बन्ध कई मामले इनके उपर दर्ज हो गया। मो हुसैन 1980 से 85 और फिर 1990 से 2005 तक डेहरी से विधायक रहे। 2005 में निर्दलीय प्रदीप जोशी तथा 2010 में प्रदीप की पत्नी रश्मी जोशी विधायक बनी। जबकि 2015 में मो हुसैन पुनः यह सीट हासिल करने में कामयाब रहे। परन्तु पिछले 27 सितम्बर को सजा सुनाए जाने के बाद उनकी विधायकी पर तलवार लटक गया है।

गोल्डन गर्ल की नजर अब ओलंपिक 2020 के स्वर्ण पदक पर

अर्जुन पुरस्कार हासिल कर श्रेयसी सिंह ने बढ़ाया बिहार का सम्मान

बिहार सरकार की उपेक्षा के बाद समाजिक संस्था 'पहल' भूमिका रहा सराहनीय

अभिजीत

खेल के प्रति बिहार सरकार की उदासीनता और संसाधन की कमी के बावजूद राज्य के पिछड़े जिले में शुमार जमुई से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराने वाली निशानेबाज सुश्री श्रेयसी सिंह को राष्ट्रपति ने डबल ट्रैप निशानेबाजी में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। यह बिहार के लिए बहुत ही गर्व की बात है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविद पिछले 25 सितंबर को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह के दौरान खेल के क्षेत्र में देश के सर्वोच्च अर्जुन पुरस्कार देकर इस गोल्डन गर्ल को सम्मानित किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय दिग्विजय सिंह व पूर्व सांसद पुतुल कुमारी की पुत्री श्रेयसी इससे पहले भी डबल ट्रैप प्रतिस्पर्धा में 2009 में फिनलैंड में आयोजित इंटरनेशनल जूनियर सिंगल ट्रैक में स्वर्ण पदक, 2014 राष्ट्रमंडल खेल में रजत पदक, 2017 में कजाकिस्तान में एशिया शूटिंग प्रतियोगिता में कास्य पदक के अलावे भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई प्रतिस्पर्धा में पद हासिल कर चुकी है। वह बिहार की पहली खिलाड़ी है जिसने राष्ट्रमंडल खेल में रजत और स्वर्ण दोनों पदक हासिल करने का इतिहास रचा है। इसके बावजूद बिहार सरकार ने उसके सम्मान में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई।

साल 2014 के राष्ट्रमंडल खेल में पदक हासिल कर जब हिंदुस्तान के खिलाड़ी देश लौट रहे थे तो उस समय हरियाण, राजस्थान आदि सभी प्रांत की सरकार उन पर धन की वर्षा के साथ ही सम्मान में आंखें बिछाए खड़ी थी। लेकिन बिहार सरकार ने राष्ट्र मंडल खेल में पहली बार पदक हासिल करने वाली प्रदेश की बेटी में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। यहां तक कि मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री या फिर सरकार के किसी भी प्रतिनिधि में बधाई तक नहीं दी। इसके बाद समाजिक संस्था 'पहल' ने आगे बढ़कर श्रेयसी सिंह के सम्मान में 18 अगस्त 2014 को पटना के तारामंडल सभागार में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमें पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार, आईपीएस अधिकारी रहे किशोर कुणाल, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य नयायाधीश एके त्रिपाठी और बिहार विधान परिषद के तत्कालीन सभापति अवधेश नारायण सिंह की उपस्थिति में उसे चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया था। वर्ष 2017 में तजाकिस्तान में स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद भी पहल ने सासाराम में एक सम्मान समारोह आयोजित कर उसे सम्मानित किया। इसके बाद राष्ट्रमंडल खेल 2018 में स्वर्ण पदक हासिल करने वाली बिहार की बेटी को जब राज्य सरकार ने सम्मानित नहीं किया तो फिर संस्था के अध्यक्ष अखिलेश कुमार के नेतृत्व में ही पटना के रविंद्र भवन सभागार में 11 जून 2018 को एक सम्मान समारोह आयोजित कर बिहार के तत्कालीन राज्यपाल सतपाल मलिक के हाथों सम्मानित कराया गया। और सम्मान समारोह के माध्यम से पहल के अध्यक्ष अखिलेश कुमार द्वारा श्रेयसी को बिहार का ब्रांड एंबेसडर घोषित करने और खेल कोटा से डीएसपी रैंक की नौकरी देने की मांग उठाई। हालाकि राज सरकार को राज्यपाल द्वारा निर्देश पत्र जारी करने के बावजूद न तो उस बिहार का ब्रांड बिस्तर बनाया गया और ना ही डीएसपी रैंक की नौकरी दी गई। इसके बावजूद उस सम्मान समारोह आयोजन के करीब 2 माह बाद ही राष्ट्रपति ने बिहार की प्रतिभाशाली खिलाडी को अर्जुन पुरस्कार देकर सम्मानित किया। यह बिहारवसियों के लिए गर्व की बात है। श्रेयसी सिंह की मां पुर्व सांसद पुतुल कुमारी बताती है कि बिहार सरकार द्वारा खेल के प्रति उदासीनता और प्रतिभावान खिलाड़ियों के उपेक्षा से निराश श्रेयसी ने जब एक बार अपने पिता से कहा था कि मैं बिहार नहीं हरियाणा की तरफ से खेलना चाहता हूं, क्योंकि बिहार में खिलाड़ियों की कोई इज्जत नहीं है और हरियाणा सरकार इज्जत के साथ बहुत पैसा भी दे रही है। तो उस समय उसके पिता ने कहा था कि बेटी क्या बाप गरीब हो जाएगा तो तुम बाप कुछ छोड़कर चली जाओगी? अपने पिता का यह जवाब सुनकर श्रेयसी भावुक हो गई थी और फिर बिहार के तरफ से ही खेलने का निश्चय किया। **चर्चित बिहार** से बात करते हुए श्रेयसी सिंह ने कहा कि मैं जहां भी रहूं मैं दिल से बिहारी हूं। राजनीतिक परिवार से आने वाली श्रेयसी से जब यह पूछा गया कि क्या वह आगे राजनीति में कदम रखने वाली है? तो उन्होंने कहा कि अभी मेरा एकमात्र उद्देश्य है ओलंपिक 2020 में स्वर्णपदक हासिल कर भारत का सम्मान बढ़ाना है।

पूर्वांचल महाकुंभ : महागठबंधन कर रही है पीएम नरेंद्र मोदी को हटाने की साजिश:अमित शाह

पूर्वांचल महाकुंभ में उमड़े अपार जनसैलाब से स्पष्ट है कि इस बार दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें भारतीय जनता पार्टी की झोली में जाने वाली है। विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - आयुष्मान भारत' का शुभारंभ करने पर भाजपा के करोड़ों कार्यकताओं की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को हार्दिक बधाई। इससे देश के 10 करोड़ गरीब परिवारों अर्थात लगभग 50 करोड़ लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। मोदी सरकार की हर योजना के केंद्र में देश का गरीब होता है। दशकों से स्वास्थ्यपूर्ण जीवन, रहने के घर व अन्य सुविधाओं से वंचित देश के गरीबों को सम्मान से जीने का अधिकार देने का काम मोदी सरकार ने किया है। केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के साढे चार वर्षों के दौरान हमने पूर्वांचल को विकास की धारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया है जिसके साथ कांग्रेस ने हमेशा अन्याय किया। कांग्रेस की यूपीए सरकार ने 13वें वित्त आयोग के दौरान पूर्वांचल के विकास के लिए महज 4 लाख करोड़ रुपए दिए लेकिन पिछले साढे चार सालों में केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने 14वें वित्त आयोग के दौरान पूर्वांचल के लिए 13 लाख 80 हजार करोड़ रुपए की राशि आवंटित की जिनमें से 11 लाख करोड़ रुपये विकास कार्यों में खर्च भी हो चुके हैं। राहुल गाँधी और अरविन्द केजरीवाल को देश के नागरिकों के बजाय घुसपैठियों की चिंता इसलिए है क्योंकि वे वोटबैंक की राजनीति करते हैं। भारतीय जनता पार्टी के लिए देशहित सबसे पहले है। अवैध सपैठिए के मुद्दे पर राहुल गाँधी को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए

2019 में जब भारतीय जनता पार्टी दुबारा सत्ता में आएगी तो सारे घुसपैठिए को चुन-चुनकर देश से बाहर निकाला जाएगा। ये राहुल गांधी एंड कंपनी और अरविन्द केजरीवाल एंड कंपनी को स्पष्ट करना होगा कि देश के प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश रचने वालों को जेल में डालने पर ये बौखलाकर हाय-तौबा क्यों मचाने लगे? महागठबंधन सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हटाने की साजिश है जो देश से गरीबी, भुखमरी, बीमारी हटाना चाहते हैं और एक नया भारत प्रस्तुत करना चाहते हैं। ये कैसा ढकोसला महागठबंधन है, जिसमें न एकता है, न नीति और न ही कोई सोच है। जब तक पूर्वांचल का विकास पश्चिम भारत जैसा नहीं हो जाता, भारतीय जनता पार्टी चैन की नींद नहीं सो सकती, यह हमारा संकल्प है और हम इस संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। पिछले साढ़े चार सालों में, पूरे देशभर में जो विकास हुआ, इसमें पूर्वांचल के भाई-बहनों की बड़ी भागीदारी रही है। पूर्वांचल के भाइयों-बहनों ने पूरे देशभर में अपनी क्षमता, निष्ठा, योग्यता और श्रमशक्ति का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने आज दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित पूर्वांचल महाकुंभ में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और कांग्रेस एवं आम आदमी पार्टी पर जोरदार हमला किया। श्री शाह ने कहा कि आज अनंत चतुर्दर्शी है और आज ही हमारे राष्ट्रीय कवि श्री रामधारी सिंह 'दिनकर' जी की जयंती भी है। दिल्ली की केजरीवाल सरकार पूर्वांचलियों का यह महाकुम्भ देख ले कि उनके खिलाफ जनता का कितना आक्रोश है। उन्होंने कहा कि इस अपार जनसैलाब से स्पष्ट है कि इस बार दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें भारतीय जनता पार्टी की झोली में जाने वाली है, राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल इस बात को समझ लें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - आयुष्मान भारत' का शुभारंभ करने पर भाजपा के करोड़ों कार्यकताओं की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को हार्दिक बधाई

देते हुए कहा कि मोदी सरकार की इस ऐतिहासिक आरोग्य योजना के माध्यम से देश के 10 करोड़ गरीब परिवारों यानी करीब 50 करोड़ गरीबों को गुणवत्ता वाली 5 लाख रुपये तक के मुफ्त उपचार की सुविधा मिलेगी। देश की करीब 40 प्रतिशत आबादी को इस योजना के अंतर्गत मेडिकल कवर मिलेगा जिससे वह पैनल में शामिल किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल में प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मुफ्त करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की हर योजना के केंद्र में देश का गरीब होता है। दशकों से स्वास्थ्यपूर्ण जीवन, रहने के घर व अन्य सुविधाओं से वंचित देश के गरीबों को सम्मान से जीने का अधिकार देने का काम मोदी सरकार ने किया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पिछले साढ़े चार सालों में, पूरे देशभर में जो विकास हुआ, इसमें पूर्वांचल के भाई-बहनों की बड़ी भागीदारी रही है। पूर्वांचल के भाइयों-बहनों ने पूरे देशभर में अपनी क्षमता, निष्ठा, योग्यता और श्रमशक्ति का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

श्री शाह ने कहा कि 2014 के लोक सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने तय किया था कि श्री नरेन्द्र भाई मोदी प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी होंगे। श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उस समय अपने एक भाषण में कहा था कि भारत माता की दो भुजाएं हैं- पश्चिम भारत और पूर्वी भारत। पश्चिम भारत का विकास बहुत हो गया है मगर पूर्वी भारत का अभी बाकी है। प्रधानमंत्री ने वादा किया था कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आती है तो विकास में पिछड़ गये पूर्वांचल का विकास उसकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के साढे चार वर्षों के दौरान हमने पूर्वांचल को विकास की धारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया है जिसे कांग्रेस की सरकारें लगातार अनदेखा करती रही। कांग्रेस ने अपने 70 साल के शासन काल में पूर्वांचल के साथ अन्याय किया चाहे उत्तर प्रदेश का पूर्वी हिस्सा हो या फिर बिहार, झारखण्ड या ओड़िसा।

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार ने 13वें वित्त आयोग के दौरान पूर्वांचल के विकास के लिए महज 4 लाख करोड़ रुपए दिए लेकिन पिछले साढे चार सालों में केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने 14वें वित्त आयोग के दौरान पूर्वांचल के लिए 13 लाख 80 हजार करोड़ रुपए की राशि आवंटित की जिनमें से 11 लाख करोड़ रुपये विकास कार्यों में खर्च भी हो चुके हैं। जब तक पूर्वांचल का विकास पश्चिम भारत जैसा नहीं हो जाता, भारतीय जनता पार्टी चैन की नींद नहीं सो सकती, यह हमारा संकल्प है और हम इस संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इसी उद्देश्य से उद्योग स्थापना हेतु 1856 किमी का ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने का काम केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। इसके अतिरक्त, बरौनी और सिंदरी का कारखाना, वाराणसी ट्रामा सेंटर, 6 मेडिकल कॉलेज, 1 आईआईएम, 2 हजार करोड़ रुपए व्यय से पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, वाराणसी और बाकी शहरों को जोड़ने के लिए 8 हजार करोड़ रुपए के सड़क मार्ग, झारखण्ड में 9 नेशनल हाईवे, गंगा सेतु के लिए 5 हजार करोड़ रुपए, मधेपुरा में रेलवे इंजन कारखाना, नमामि गंगा अभियान के तहत पूर्वांचल के सभी शहरों के सीवरेज की व्यवस्था करने का काम केंद्र की मोदी सरकार ने पिछले चार वर्षों में कर दिखाया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि एनआरसी का मुद्दा जब आया तो राज्य सभा में राहुल गाँधी समेत सपा-बसपा, कम्युनिस्ट, आम आदमी पार्टी- सभी मानवाधिकार के नाम पर हायतौबा मचाने लगे। ये घुसपैठिए जो बम धमाके करते हैं, देश की सुरक्षा में सेंध लगाते हैं, निर्दोष भारतीयों की जान लेते हैं- इनके मानवाधिकार की रक्षा करनी चाहिए या नहीं? राहुल गाँधी और अरविन्द केजरीवाल को घुसपैठियों की चिंता इसलिए है क्योंकि वे वोटबैंक की राजनीति करते हैं। भारतीय जनता पार्टी के लिए देशहित सबसे पहले है। अवैध सपैठिए के मुद्दे पर राहुल गाँधी को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। 2019 में जब भारतीय जनता पार्टी दुबारा सत्ता में आएगी तो सारे घुसपैठिए को चुन-चुनकर देश से बाहर निकाला जाएगा।

श्री शाह ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ जो खिलवाड़ हो रहा है, उनकी हत्या की जो साजिश हो रही है- ये राहुल गांधी एंड कंपनी और अरविन्द केजरीवाल एंड कंपनी को स्पष्ट करना होगा कि देश के प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश रचने वालों को जेल में डालने पर ये बौखलाकर हाय-तौबा क्यों मचाने लगे? भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि ये जो महागठबंधन बनाया जा रहा है, मैं चाहता हूँ ये जरा जोरदार बने क्योंकि मेरे 11 करोड़ कार्यकर्ता दो-दो हाथ करने के लिए तैयार हैं। राहुल गांधी बंगलोर से कहते हैं कि मैं पीएम बनूँगा और सेकेंडों में ममता बनर्जी का बयान आता है कि राहुल गाँधी पीएम के योग्य नहीं है। तुरंत ही लालू जी के बेटे का भी बयान आता है कि राहुल गाँधी पीएम नहीं बनेंगे। कुछ ही देर बाद अखिलेश यादव का भी यही जवाब आता है और प्रधानमंत्री बनने की लालसा की गाड़ी अपने दूसरे स्थान तक पहुँचती भी नहीं है कि तब तक मायावती जी का बयान आता है कि राहुल गाँधी पीएम नहीं बन सकते। ये कैसा ढकोसला महागठबंधन है, जिसमें न एकता है, न नीति और न ही एक सोच है। महागठबंधन पर करारा हमला जारी रखते हुए श्री शाह ने कहा कि महागठबंधन सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हटाने की साजिश है जो देश से गरीबी, भुखमरी, बीमारी हटाना चाहते हैं और एक नया भारत प्रस्तुत करना चाहते हैं।

रामविलास पासवान की झोपड़ी जलाने पर आमदा है उनके दमाद अनिल कुमार साधू

केंद्रीय मंत्री की बेटी आशा पासवान भी उत्तरी बगावत पर।

अखिलेश कुमार

लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के दमाद तथा दलित सेना के प्रदेश अध्यक्ष रहे अनिल कुमार साधु अपने ससुर को चुनौती देने की मुहिम में लग गए हैं, और उनका साथ धर्मपत्नी आशा पासवान भी दे रही है जो कि रामविलास पासवान के पहली पत्नी की बेटी है। वहीं बिहार में विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल इस बगावत का भरपूर फायदा उठाना चाहता है। इसी रणनीति के तहत अनिल कुमार साधु को दलित मुद्दे को लेकर आगे खड़ा कर रही है। दलित नेता और कई बार विधायक रह चुके स्वर्गीय पुनीत राय के पुत्र अनिल कुमार साधु यह दावा करते हैं की राम विलास पासवान अब दलित नहीं बल्कि अपने बेटे और भाई के राजसत्ता हासिल कराने तक ही अपने आप को समेट कर रख लिया है।यही रामविलास जी अगड़ी जाति को आरक्षण देने की वकालत करते तो हैं लेकिन जब संसदीय दल का नेता बनाने की बात होती है तो वरीय सांसद रहने के बावजूद अपने विदेशी कल्चर के बेटे को यह जिम्मेदारी सौंपते हैं तथा बिहार में जब सत्ता में शामिल होने की बात आती है तो अगड़ी और पिछड़ी जाति से विधायक व विधान परिषद् के सदस्य होने के बावजूद जनता द्वारा नकारे गए अपने भाई को कुर्सी दिलाते है। अपने स्वार्थी प्रवृति के चलते पासवान समाज के साथ ही बहुजन और दलित महादलित का भरोसा अब उनसे उठ गया है।

चर्चित बिहार से बातचीत के दौरान अनिल कुमार साधु ने रामविलास पासवान पर कई तल्ख टिप्पणियां की। और कहा कि 10 साल के अंदर उनकी कार्यशैली पूरी तरह सत्ता लोलुपता वाली की हो गई है। जिस राम विलास पासवान द्वारा दलित मुद्दों को लेकर संसद में गर्जना की जाती थी वो ही रामविलास आज भाई और बेटे को राजनीति में स्थापित करने के लिए अपने नैतिक मूल्यों को गिरवी रख दिया है, तथा मनुवादी और गांधी के हत्यारों के गोद में बैठ कर दलित समाज द्वारा किए गए भरोसे को तोड़ दिया। साधु पासवान रामविलास पासवान के बेटे सांसद चिराग पासवान से काफी नाराज दिखते हैं। वह कहते हैं कि चिराग कहता है कि समृद्ध दलित को आरक्षण छोड़ देना चाहिए तो चिराग और उसके पिता रामविलास पासवान तथा भाई रामचंद्र पासवान को समान सीटों से लड़कर अपनी परीक्षा देनी चाहिए। क्योंकि भला आज रामविलास पासवान के परिवार से ज्यादा बिहार में कौन दलित समृद्ध है? उन्होंने कहा कि दलित और गरीबों की असली लड़ाई पिछले दो दशक से लालू प्रसाद यादव लड़ रहे हैं और उसे आगे बढ़ाने का काम तेजस्वी यादव जी कर रहे हैं। साधु पासवान ने कहा कि यदि राष्ट्रीय जनता दल चाहेगी तो मैं यह मेरी पत्नी आशा पासवान रामविलास पासवान और चिराग पासवान के खिलाफ आगामी लोकसभा चुनाव मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं, और यदि हम रचुनाव उतरते हैं तो फिर रामविलास पासवान की झोपड़ी को जलने से कोई बचा नहीं सकेगा।

दरअसल अपने ससुर से नाराज चल रहे साधु पासवान का उपयोग राष्ट्रीय जनता दल एक दलित हथियार के रूप में करना चाहती है और इसी उद्देश्य से पार्टी में इनको अहमियत भी दिया जा रहा है। रामविलास पासवान के दमाद होने के कारण खासकर पासवान समुदाय में साधु पासवान की अपनी पहचान बन चुकी है, और वह घर की भेदी लंका ढाए वाले कहावत को चरितार्थ करने में सफल हो सकते हैं, ऐसा राजद का विश्वास है। अनिल कुमार साधु दावा करते हैं कि लोजपा के टिकट पर संसद में पहुंचे कुछ सदस्य के साथ ही बिहार के कई जिलाध्यक्ष तथा कुछ राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी रामविलास पासवान का साथ छोड़ कर राष्ट्रीय जनता दल में हाल में ही शामिल होंगे।

आने वाले दिनों में इसका प्रणाम चाहे जो हो लेकिन इतना तो तय है कि अनिल कुमार साधु के कड़े हो रहे बगावत की तेवर ने रामविलास पासवान और उनके परिवार में चिंता की लकीरें तो खींच ही दी है।

जीवन में बड़े मन से ही बड़ा कार्य हो सकता है: गृहमंत्री राजनाथ सिंह

विश्व के 140 देशों से पहुंचे मेहमान

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बोले- यहां की पवित्रता आध्यात्म से परिपूर्ण करने में करती है मदद ।

एस.एन.श्याम/आबू रोड (राजस्थान)

ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में आध्यात्म, विज्ञान और पर्यावरण विषय पर वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया । इस सम्मेलन में भारत सहित विश्व के 140 देशों से मेहमान भाग लिए । उद्घाटन सत्र में गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने अपने वक्तव्य में मन, आध्यात्म और विज्ञान और भारतीय संस्कृति पर बात की।

उन्होंने कहा कि जीवन में बड़ा काम करने के लिए बड़ा मन होना जरूरी है। छोटे मन का व्यक्ति बड़ा काम नहीं कर सकता है। जितना बड़ा आपका मन होगा उतना ही जीवन में आनंद की मात्रा बढ़ती चली जाएगी। गिरिजाघर में केवल जाकर प्रार्थना करने से व्यक्ति आध्यात्मिक नहीं होता है। जितना वह बड़ा करता चला जाता है उतना जीवन में आध्यात्मिक ऊंचाइयों को छूता जाता है। मंदिर में पूजा अर्चना, मस्जिद में इबादत करने के साथ मन बड़ा करने की जरूरत है। जिसका मन जितना बड़ा होगा वह उतना ही आध्यात्मिक होगा। ब्रह्माकुमारीज संस्थान में बड़ा मन करने की शिक्षा दी जाती है। संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी और दादी रतनमोहिनी जी का कितना बड़ा दिल होगा जो इतने बड़े परिवार को संभाल कर रखा है। साथ ही इतनी बहनों को साथ लेकर विश्व के 146 देशों में खड़ा कर दिया।

जो काम सरकार नहीं कर सकती वो ब्रह्माकुमारीज कर रही

गृहमंत्री सिंह ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने छोटी-छोटी बातों पर चिंता जाहिर की है। स्वच्छता हो, जैविक खेती, सौर ऊर्जा, महिला सशक्तिकरण इन सभी विषयों पर ये संस्था कार्य कर रही है। जो काम सरकार नहीं कर सकती वो ब्रह्माकुमारी संस्था कर रही है। संस्था केवल मानव ही नहीं मानवीयता, जीव-जंतुओं की भी चिंता कर रही है। 80वें वार्षिकोत्सव पर संस्था ने 80 लाख पौधारोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

विज्ञान और आध्यात्म एक-दूसरे के पूरक हैं: गृहमंत्री

गृहमंत्री सिंह ने कहा कि हमारे देश के ऋषि-मुनियों ने ही शून्य का आविष्कार किया और आध्यात्म की खोज की। विज्ञान, आध्यात्म और धर्म ये एक-दूसरे के विपरीत हैं ये अवधारणा विदेशों की है। भारत की अवधारणा है विज्ञान और आध्यात्म दोनों एक-दूसरे के पूरक और एक हैं। चरक, आरोहक, सुषुप्त, आर्यभट्ट ऋषि जितने बड़े ऋषि थे उतने ही बड़े साइंटिस्ट भी थे।

यहां से दिया जा रहा विश्व शांति का संदेश: चीफ जस्टिस

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा ने कहा कि विश्वव्यापी संगठन ब्रह्माकुमारीज द्वारा की जा रही हैं सेवाएं मानव को सही दिशा में ले जा रही हैं। संसार को जिस शांति की जरूरत है, उस वातावरण का निर्माण यहां हो रहा है। कम बोलो, धीरे बोलो, मीठा बोलो ये शब्द यहां मंत्र की तरह कार्य करते हैं। पवित्रता आत्मा की मूल संपदा है। यहां से मन, बुद्धि और कर्मों को शांति के पथ पर ले जाने के लिए आध्यात्मिकता की शिक्षा दी जा रही है। इस संस्था की पवित्रता हर मानव को आध्यात्म से परिपूर्ण करने में मदद करती है। इस संस्था की पर्यावरण संरक्षण से लेकर अन्या सामाजिक गतिविधियां काबिले तारीफ हैं। अर्जुन और श्रीकृष्ण का वास्तविक संवाद का रहस्य समझने की जरूरत है जो यहां पर स्पष्टीकरण हो रहा है। परमात्म शक्ति से स्वयं को चार्ज करने के लिए स्व के अंदर सोल पॉवर को जानना जरूरी है।

राजयोग मेडिटेशन मेरी दिनचर्या में शामिल: टीवी एक्ट्रेस मारला मैपल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पूर्व पत्नी टीवी एक्ट्रेस व सिंगर मारला मैपल ने कहा कि अमेरिका इन दिनों कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। लेकिन हमारे आसपास के बेहतरीन लोग और दोस्त जीवन को आनंद से भर देते हैं। मैंने कुंडलिनी योग, ब्रह्माकुमारीज के राजयोग मेडिटेशन और शाकाहारी भोजन को अपनी दिनचर्या में शामिल किया है। मैंने कई तरह का भोजन किया है, लेकिन शाकाहार सबसे उत्तम है। मांसाहार से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। हम सब मिलकर ही इस दुनिया को आगे ले जा सकते हैं। मुझे यहां घर जैसा अनुभव हो रहा है। ये सभी में समानता और एकता का भाव दिखा। जल्द रिलीज होने वाले अपने नए म्यूजिक एल्बम के बारे में बताया किउसमें एक गाना प्रेयर फॉर ह्यूमेनिटी का भी है।

प्रकृति से उतना ही लें जितनी जरूरत हो: पद्मश्री साराभाई

अहमदाबाद के सेंटर फॉर एन्वॉयरमेंट एजुकेशन के फाउंडर-डायरेक्टर व साइंटिस्ट पद्मश्री डॉ. कार्तिकेय साराभाई ने कहा कि हमें पर्यावरण की रक्षा करने के लिए

अपनी पुरानी परंपरा और नई तकनीक को साथ लेकर चलना होगा। मनुष्य समझता है कि पूरी प्रकृति केवल उसके इस्तेमाल के लिए है, ये सोच ठीक नहीं है। महात्मा गांधी ने कहा था हमें ट्रस्टी होकर वस्तुओं का इस्तेमाल करना होगा। ब्रह्मा बाबा ने वर्षों पहले अपनी दिव्य दृष्टि से एटॉमिक, प्राकृतिक जैसे तीन तरह के विनाश देख लिए थे, वही आज हम सामने देख रहे हैं। पर्यावरण को बचाने के लिए हमें प्रकृति से उतना ही लेना होगा, जितनी जरूरत है। आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी परंपरा और तकनीक को साथ लेकर चलने के कारण चैंपियन ऑफ द वर्ल्ड का सम्मान मिल रहा है।

हम सब एक परमात्मा की संतान हैं: दादी रतनमोहिनी

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि हम सब एक परमात्मा की संतान आपस में भाई-भाई हैं। इसलिए एक-दूसरे का सहयोग करें, प्रेम से रहें और एक-दूसरे को खुशी दें। आपस में कभी भी बैर भाव, द्वेष, ईर्ष्या न रखें। भारत में एक समय स्वर्णिम दुनिया थी। जहां सुख-शांति और आनंद था। अधर्म का नामो-निशा नहीं था। अब हम अपने कर्मों को दिव्य बनाकर फिर से स्वर्णिम दुनिया बना सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक व ब्रह्माकुमारीड्ढा के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने कहा कि संस्थान द्वारा 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक भारतभर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने भेजा बधाई पत्र....

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामना संदेश भेजा है। खुशी जाहिर करते हुए इसे बहुत ही उपयोगी और सार्थक बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बधाई पत्र भेज कर हर्ष जताया है। पत्र में लिखा है विश्व सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संस्थान को डायनेमिक वर्ल्ड लीडर अवॉर्ड लेने की मुबारक देता हूं। विज्ञान एवं आध्यात्म के सामंजस्य से ही मानवता का स्थिर भविष्य संभव है। इस तालमेल में पर्यावरण भी अति महत्वपूर्ण है। ब्रह्माकुमारीज विश्वभर की आत्माओं का आध्यात्मिक रूप से आंतरिक बदलाव का कार्य कर रही है। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इस मंच से विश्व शांति का संदेश जाएगा।

इन शख्सियतों ने भी रखे अपने विचार...

- केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री थावरचंद गहलोत ने कहा कि संस्था द्वारा सद्मार्ग पर चलने, विश्व शांति की कल्पना को साकार करने, वसुधैव कुटुम्बकम्, जियो और जीने दो का सद्मार्ग स्थापित करने का कार्य कर रही है। आज दुनिया में अशांति और समस्याओं का कारण आध्यात्म से दूरी बढ़ा है। बिना आध्यात्म को अंगीकार किए विश्व शांति, सर्वे संतु निरामया की परिकल्पना साकार नहीं हो सकती है।
- बैंगलुरु से पधारीं अनाथों बच्चों की मां (मदर ऑफ ऑर्फंस) के नाम से मशहूर 1050 बच्चों को संभाल रहीं डॉ. सिंधुताई सपकाल ने कहा कि जीवन में सदा चलना सीखो, रुकना नहीं। मन की आवाज सुनें, कफन की जेब नहीं होती है, मरने की कभी सिफारिश नहीं होती। त्याग करना सीखो।
- संस्थान की जनरल मैनेजर बीके मुन्नी बहन ने कहा कि मैंने जीवन में सीखा है कि सदा सभी छोटे-बड़ों को रिगार्ड दें। खुद को निमित्त समझें। सभी के प्रति कल्याण का भाव हो। अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन से जीवन जीने की कला आती है। इसके अनुभवी लाखों भाई-बहनें हैं। मंच संचालन गुरुग्राम ओआरसी की निदेशिका बीके आशा बहन ने किया।

गृहमंत्री के संबोधन के खास पहलू....

- ब्रह्माकुमारी संस्थान एक नहीं वरन सभी पार्टियों के नेताओं को यहां बुलाकर ये आध्यात्मिक ज्ञान दे।
- मन की परिधी को बढ़ाते जाएं सुख-शांति भी बढ़ती जाएगी।
- ये संस्था लोगों में देवत्व का भाव लाने का कार्य कर रही है।
- सभी आध्यात्मिक ग्रंथ वेदों से ही निकले हैं। हमारे यहां गणित, विज्ञान और चिकित्सा सभी वेदों से मिले हैं। ये सिर्फ भारत में ही मिल सकती है।
- मैं पिछले 8 साल से यहां आने की सोच रहा था लेकिन आ नहीं पा रहा था। यहां वही व्यक्ति आ सकता है जिसे आध्यात्मिक शक्ति बुलाती है।
- यहां आकर ईश्वरीय बाइब्रेशन की अनुभूति हुई।
- विज्ञान ने भी साबित किया है कि पूरा ब्रह्मांड एक अणु से बना है। स्पेस साइंस ये साबित कर चुका है कि भगवान शिव निरंत सृष्टि के सृजन और विध्वंस का कार्य करते रहते हैं।
- मनुष्य कभी प्रशंसा से बड़ा नहीं हो सकता, वह सिर्फ जीवन में अपनी कृतियों के माध्यम से ही विभूषित हो सकता है।

ये रहे उपस्थित....

गोपालन राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद देवजी पटेल, विधायक जगसीराम कोली, जिला प्रमुख पायल परसरामपुरिया, कलेक्टर अनुपमा जोरवाल, एसपी जय यादव, आबू रोड नपा अध्यक्ष सुरेश सिंदल, यूटीआई चेयरमैन सुरेश कोठारी, भाजपा जिला अध्यक्ष लुंबाराम चौधरी, उपखंड अधिकारी निशांत जैन, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य मनुवर खान सहित देश-विदेश से आए 6 हजार से अधिक नागरिकगण उपस्थित रहे।

आखिर क्या चीज पुरूषों को शर्मिंदा कर रही है जिससे उनका स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है

प्रोस्टेट हेल्थ और समुदाय में इसकी जागरुकता के अभाव पर प्रकाश डाला गया

अनूप नारायण सिंह

जैसे-जैसे पुरूषों की आयु बढ़ती है, उनके शरीर में ऐसे परिवर्तन होते हैं, जिन पर हमेषा नियंत्रण नहीं हो पाता है। अधिकांष पुरूषों में इन परिवर्तनों में से एक है पौरूष ग्रंथि (प्रोस्टेट) का बढ़ना। बड़ी आयु के पुरूषों का प्रोस्टेट छोटी आयु के पुरूषों की तुलना में बड़ा होता है। प्रोस्टेट की जो वृद्धि कैंसर के कारण नहीं होती है, उसे बेनाइन प्रोस्टैटिक हाइपरप्लासिया (बीपीएच) कहते हैं। बड़ी आयु के पुरूषों में बीपीएच सर्वाधिक सामान्य स्थिति है, जिसमें 50 वर्ष की आयु के बाद प्रोस्टेट का आकार बढ़ता है! बीपीएच को पौरूष ग्रंथि विस्तार भी कहा जाता है- यह बढ़ती आयु के पुरूषों में पाई जाने वाली आम स्थिति है। प्रोस्टेटाइटिस और बेनाइन प्रोस्टैटिक हाइपरप्लासिया (बीपीएच) पौरूष ग्रंथि के आम रोग हैं; जो विश्व के लाखों पुरूषों को प्रभावित करते हैं। लेकिन यह जानना महत्वपूर्ण है कि बीपीएच प्रोस्टेट कैंसर नहीं है और इसके होने का कारण भी नहीं है। आपके प्रोस्टेट के आकार से लक्षणों की गंभीरता ज्ञात नहीं होती है। थोड़े बड़े आकार के प्रोस्टेट वाले कुछ पुरूषों में बड़े लक्षण हो सकते हैं, जबकि बहुत बड़े प्रोस्टेट वाले पुरूषों में न्यून लक्षण हो सकते हैं। कुछ पुरूषों में लक्षण स्थिर हो जाते हैं और कुछ समय

प्रोस्टेटाइटिस और बेनाइन प्रोस्टैटिक हाइपरप्लासिया (बीपीएच) पौरूष ग्रंथि के आम रोग हैं; जो विश्व के लाखों पुरूषों को प्रभावित करते हैं। लेकिन यह जानना महत्वपूर्ण है कि बीपीएच प्रोस्टेट कैंसर नहीं है और इसके होने का कारण भी नहीं है।

बाद इनमें सुधार भी आ सकता है। डॉ आर पी सिंह, सीनियर कंसल्टेंट यूरोलॉजिस्ट, ट्रेड प्रैक्टिशनर, के अनुसार, बढ़ा हुआ (एनलार्ज) प्रोस्टेट पुरूष की मूत्र निकासी को सीधे प्रभावित करता है, क्योंकि ब्लैडर पर दबाव होता है या ब्लैडर संवेदनशील हो जाता है- इससे मूत्र निकासी की तीव्र इच्छा होती है। चूंकि ब्लैडर की खुद को खाली करने की क्षमता नहीं होती है, इसलिये थोड़ी-थोड़ी देर में पेषाब आने जैसा लगता है। बीपीएच की प्रधानता आयु के साथ बढ़ती है, 70 वर्ष और इससे अधिक आयु के पुरूष इससे सबसे अधिक पीड़ित होते हैं। वर्ष 1997 में किये गये एक अध्ययन के अनुसार, भारत में आयु के हिसाब से बीपीएच की मौजूदगी 40-49 वर्ष के लिये 25 प्रतिषत, 50-59 वर्ष के लिये 37 प्रतिषत, 60-69 वर्ष के लिये 37 प्रतिषत और 70-79 वर्ष के लिये 50 प्रतिषत होती है। आयु बढ़ने के साथ प्रोस्टेटिक रोग पुरूषों के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। अच्छी नींद सभी के लिये आवष्यक है। वयस्कों के लिये यह 7-8 घंटे की होनी चाहिये। नींद में रूकावट होने से इंसोम्निया हो सकता है, जिसे चिकित्सकीय रूप से नींद आने में कठिनाई कहा जाता है या ऐसी नींद, जिससे दिन में तनाव होता है और सामाजिक तथा कार्यगत जीवन प्रभावित होता है। प्रोस्टेटाइटिस और बीपीएच प्रोस्टेट में विकसित होने वाले रोग हैं; यह पुरूषों को होते हैं और उनके जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। यह प्रोस्टेट के रोगों के अलावा यौन शक्ति के अभाव से भी हो सकता है। यौन शक्ति का अभाव प्रोस्टेट रोग के उपचार से भी हो सकता है, इसलिये प्रोस्टेट के उपचार के समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिये। प्रोस्टेट के रोगों और उनसे संबद्ध यौन शक्ति के अभाव को समझकर पुरूषों के जीवन की गुणवत्ता बनाये रखने के लिये प्रत्येक स्थिति के लिये उपयुक्त उपचार का चयन करना चाहिये। डॉ राजेश तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, आईजीआईएमएस मेडिकल कॉलेज, के अनुसार, कई पुरूषों का प्रोस्टेट आयु के साथ बढ़ता है, क्योंकि यह ग्रंथि जीवन भर वृद्धि करना बंद नहीं करती है। आयु बढ़ने के साथ पुरूशों को बीपीएच/प्रोस्टेट कैंसर की नियमित जाँच करवानी चाहिये। यदि मूत्र सम्बंधी कोई समस्या है, तो डॉक्टर से बात करें। यदि मूत्र सम्बंधी समस्याओं से आपको कोई परेशानी नहीं होती है, तो भी उनके कारण जानना आवश्यक है। इन समस्याओं का उपचार नहीं होने से मूत्रमार्ग में अवरोध हो सकता है। डॉक्टर से बात करना और बात करने में नहीं शमार्ना महत्वपूर्ण है। आपके डॉक्टर आपकी आयु, स्वास्थ्य और आप पर स्थिति के प्रभाव के अनुसार सही उपचार चुनने में आपकी मदद कर सकते हैं।

काशी विश्वनाथ व विंध्यांचल की तीर्थ यात्रा कर लौटा श्रद्धालुओं का जत्था

समाजसेवी सर्वेश तिवारी बोले, हिन्दू-मुस्लिम वृद्धजनों की धार्मिक यात्रा का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा

काशी में बाबा विश्वनाथ व विंध्याचल में विंध्यवासिनी देवी सहित आसपास के विभिन्न तीर्थ स्थलों का पूर्वी चंपारण के पहाड़पुर ब्लॉक के 51 वृद्धजनों ने दर्शन किए। इसमें से अधिकतर आर्थिक रूप से अक्षम थे। शुक्रवार को चार दिवसीय यात्रा पूरी कर श्रद्धालुओं का यह जत्था खुशी-खुशी घर लौटा। विशुनपुर मटियरवा गाँव के श्री आनन्द तिवारी के सुपुत्र व समाजसेवी सर्वेश तिवारी की ओर से आयोजित की गई इस तीर्थ यात्रा का ना सिर्फ खर्चा उठाया बल्कि पूरे जत्थे के साथ स्वयं गए । बुजुर्गों के स्वास्थ का ध्यान रखते हुए गांव से खाना बनाने वाले भी साथ गए थें जिससे की शुद्ध और घर का खाना मिल पाए। सभी के ठहरने के लिए कूलर वाले रूम और घूमने के लिए परिवहन की व्योंस्था किया गया था।

ध्यान रखने के लिए पांच वालंटियर भी साथ गए थे

सभी वृद्धजनों की अपने तीर्थ पर जाकर मथा टेकने की ख्वाहिश होती है फिर चाहे वह हिंन्दू हो या मुस्लिम, लेकिन कई बार धन की कमी से उनकी यह इच्छा दबी रह जाती है। इस पर समाजसेवी सर्वेश तिवारी ने ऐसे वृद्धजनों को तीर्थ यात्रा कराने का बीड़ा उठाया जिसकी उन्होंने बीते दिनों घोषणा भी की थी। इसके तहत 55 से 65 वर्ष की आयु के वृद्धजनों को काशी में बाबा विश्वनाथ सहित आसपास के विभिन्न मंदिरों, घाटों आदि के दर्शन कराये गए जहां यात्रियों ने पूजा अर्चना की। अगले पड़ाव में वृद्धजनों का जत्था विंध्यांचल पहुंचा। वहां विंध्यवासिनी देवी, अष्टभुजा व काली खो सहित विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मत्था टेका। साथ ही, सभी ने मंदिरों में प्रसाद चढ़ाया। यात्रा के दौरान भजन- कीर्तन की भी व्यवस्था की गई थी जहाँ सभी लोग भगवान की भक्ति में खोये दिखे। वहीं

किसी भी व्यक्ति को किसी तरह की परेशानी ना हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया

तीर्थ यात्रा से लौटे रूदल राम ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि काशी में बाबा भोले के दर्शन से मन प्रसन्न हो गया। मेरी लंबे समय से ख्वाहिश थी कि एक बार वाराणसी जाऊं लेकिन कई कारणों के चलते नहीं जा सका पर इस यात्रा में मेरी दिली इच्छा पूरी हो गई। श्रद्धालु शंकर महतो ने बताया कि आयोजकों द्वारा बहुत अच्छी व्यवस्था की गई थी। खूब भगवान का गाना बजाना हुआ और उसी भक्तिमय माहौल में भगवान के दर्शन। खानपान की भी बेहतर व्यवस्था रही। अगर मुझे भविष्य में भी यात्रा पर जाने का अवसर मिला तो मैं जरूर जाना चाहूंगा।

समाज सेवी सर्वेश तिवारी ने कहा कि भविष्य में भी हिंदू और मुस्लिम समाज के निर्धन वृद्धजनों को इसी तरह उनके धाम की यात्रा कराई जाएगी। सभी लोग इसके लिए कार्यालय में पंजीकरण करवा सकते हैं। उल्लेखनीय है, बीते दिनों सर्वेश तिवारी की ओर से तीर्थ यात्रा व सामूहिक विवाह कराने के लिए पकड़िया बाजार में कार्यालय शुरू किया गया था।

समाज में बदलाव के लिए इन दिनों दिल्ली से लेकर बिहार तक चर्चा में है ऋतु जायसवाल

अनूप नारायण सिंह

गाँव से निकल लोग जब सफल हो जाते हैं तो उसके बाद पिछे मुड़ कर वे अपने गाँव और समाज को देखते भी नहीं है। गाँव में मौजूद परेशानियों पर लोग बडे-बडे भाषण तो जरूर देते है मगर इन परेशानियों को समाप्त करने के लिए कुछ प्रयास भी नहीं करते। दिल्ली में आईएएस के रूप में पदस्थापित अरूण कुमार जायसवाल की पत्नी ऋतु जायसवाल इन दिनों दिल्ली से लेकर बिहार तक चर्चा में है। शादी के 17 साल बाद जब वह अपने ससुराल लौटी तो गांव की हालत देख इतनी व्यथित हुई कि बदलाव लाने के लिए सोचने लगीं। गांव के हालात देख कर उन्हें ऐसा महसूस हुआ मानो वे प्रेम चंद्र की कहानी में पहुंच गई हों।दुसरे लोगों के तरह नजरअंदाज करने के जगह ऋतु ने गाँव में बदलाव लाने की ठानी और बिहार के सीतामढ़ी के सोनवर्षा प्रखंड के सिंघवाहिनी पंचायत से मुखिया पद पर जीत हासिल कर इस गांव को चर्चा में ला दिया है। कहती हैं कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं किया था कि ऐसा भी कोई गांव हो सकता है। यह सब देख वे इतना द्रवित हुई कि अपना सुख-सुविधाओं से भरा जीवन और दिल्ली जैसा शहर छोड़ने तक का फैसला कर लिया। पिछले दो साल से वे बराबर गांव आती रही हैं। यहां कोशिश शुरू की तो एक गांव में आजादी के बाद पहली बार बिजली आई। जब उन्होंने एक बुजुर्ग महिला को बिजली के बल्ब को फूंक मारकर बुझाते देखा तो इस वाकये ने उन्हें झकझोर दिया। उन्हें गांव की हालत देख कर काफी दुख होता था।

अपने प्रयास से ऋतु ने लोगों को समझाया कि अपना वोट मत बेचो। मुखिया को पंचायत में शौचालय व पानी की व्यवस्था करनी होती है इसलिए उन्हें चंद रुपयों की लोभ में वोट नहीं बेचना चाहिए। ऐसा करने से वे सुविधाओं से वंचित हो जाते थे और आजीवन बीमारी के शिकार होते थें। लोगों ने भी बात को समझा और उन्हें समर्थन देकर भारी मतों से जीत दिलाया।उनके प्रयास से आजादी के बाद पहली बार बिजली आई। कुछ एनजीओ की मदद से बच्चों के लिए ट्यूशन क्लास शुरू करवाई गई। असर यह हुआ कि इस बेहद पिछड़े गांव की 12 लड़कियां एक साथ मैट्रिक पास हुई हैं। गांव के लोगों के कहने पर ही उन्होंने चुनाव लड़ा और तमाम जातीय समीकरणों के बावजूद भारी मतों से जीत गईं। वह कहती हैं कि जिस संकल्प को लेकर वे मुखिया का चुनाव लड़ी हैं उसे वह हर हाल में पूरा करेंगी। अब गांव में रहकर ही गांव की तस्वीर बदलेंगी। उन्होंने बताया कि उनके गांव में ना तो चलने के लिए सड़क है और ना ही पीने के लिए शुद्ध पानी। लोगों को शौचालय के बारे में भी पता नहीं था कि शौचालय क्या होता है। गांव के तकरीबन अस्सी प्रतिशत लोग आज भी सड़कों पर शौच के लिए जाते हैं। बिजली सहित तमाम मूलभूत सुविधाओं से लोग अब भी कोसो दूर हैं। वह कहती हैं कि मूलभूत सुविधाओं को पूरा करने के बाद विकास के काम पर ध्यान देंगी। विकास के लिए उन्होंने कृषि विभाग से बात किया है। विभाग यहां के लोगों को ट्रेंनिंग देगा जिससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा। यहां की भूमि कृषि योग्य है पर यहां के लोग अब बाहर जा रहे है कमाने के लिए। गांव में सिर्फ औरतें और बुजूर्ग हैं।

बिजली विभाग से बात कर एक गांव में बिजली लाने में सफल हुईं। अपने गांव की फोटो खींच एक डॉक्युमेंटरी बनाई और एनजीओ को दिखाया। फिर वह काम करने के लिए तैयार हो गएं। वे बताती हैं कि दो साल में कई एनजीओ आए और गांव की महिलाओं और लड़कियों को सिलाई-कढ़ाई की ट्रेनिंग दिलाया गया। यह सारा फंड एनजीओ ही वहन करते थे। करीब दो साल पहले नरकटिया के बच्चों के लिए सामुहिक रूप से दो ट्यूटर लगवाए। वे कहती हैं गांव की हालत अब सुधर रही है लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। सामाजिक कार्य में रुची उन्हें पहले से थी पर गांव को देख रुची और ज्यादा बढ़ गया। वे कहती हैं कि इस गांव से एक लगाव सा हो गया। सिंघवाहिनी पंचायत में नरकटिया को मिलाकर 6 गांव हैं। नरकटिया की आबादी 2300 के आसपास है। बाकी सभी गांव इससे बड़े हैं। इससे पहले जितने भी मुखिया थे उन्होंने कुछ काम नहीं किया है। इस बार भी बहुत लोगों ने मुखिया पद के लिए पर्चा भरा था। चुनाव में उनको यहां के लोगों का तो साथ मिला ही साथ ही उनके पति का भी बहुत सहयोग रहा।

क्षेत्र में उनके द्वारा किये अच्छे कामों, प्रयासों और लोकप्रियता का ही नतीजा था कि उन्होंने एक शांति रैली निकाली जिसका मकसद था लोगों को जागरुक करना जिसमें छह हजार लोग शामिल हुए जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी कि इस रैली में इतने लोग शामिल होंगे। सबसे बड़ी बात तो यह थी कि महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। उस रैली में ऐसी महिलाएं भी शामिल हुई जो कभी घर से बाहर कदम भी नहीं रखी थीं। वह कदम से कदम मिलाकर चल रही थीं। यह उनके लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी। वे मुखिया का चुनाव दो हजार वोटों से जीतीं। यह जीत उन दो हजार लोगों के बदलते हुए समाज की जीत थी।

ऋतु जयसवाल ने अपनी पढ़ाई वैशाली महिला महाविद्यालय, हाजीपुर से किया है। उन्होंने बीए की डीग्री अर्थशास्त्र में ली। शादी के बाद भी पढ़ाई जारी रखा। उनके दोनों बच्चे बैंगलोर के एक रेसीडेंशियल स्कूल में पढ़ते हैं। इसके लिए उनकी बेटी अवनि जो 7वीं में पढ़ती है उसने उनका बहुत सहयोग किया ताकि वे अपना ज्यादातर वक्त गांव में ही बीता सकें। वह अपने बेटी के बारे में कहती है कि जब उन्होंने अपनी बेटी से बात की तो वह बोली कि मैं तो होस्टल में रह लूंगी और आप बहुत सारे बच्चों की जिंदगी बदल पाएंगी। बेटी की इस बात से उन्हें बहुत हौसला मिला। शहर की सारी सुख सुविधाओं को छोड सिर्फ समाज सेवा के मकसद से गाँव की तस्वीर बदलने में लगी है। इसकी जितनी भी तारीफ किया जाए कम है। लोग तो सफलता मिलने के बाद गाँव को भूल ही जाते है, शहर को अपना घर बना लेते है और गाँव से अपना रिश्ता ही तोड लेते हैं मगर ऋतु जायसवाल ने न सिर्फ अपनेपति और परिवार का नाम रौशन किया बल्कि अन्य लोगों के लिए भी एक आदर्श अस्थापित करने का काम किया है। हमें इन पे गर्व होना चाहिए।

नौजवान जिधर चलते हैं जमाना उधर ही चलता है : मंगल पांडे

छात्रों और नेताओं ने की विकसित बिहार पर बातचीत

ज्ञान भवन में आयोजित छात्र संसद

अनूप नारायण सिंह

ज्ञान भवन(गांधी मैदान, पटना) में छात्र संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसका उद्घाटन स्वास्थ मंत्री मंगल पाण्डेय, पर्यटन मंत्री प्रमोद कमार, विधायक श्याम रजक, एम एल सी देवेश चंद्र ठाकुर, समाजिक कार्यकर्ता आकांक्षा चित्रांश, डॉक्टर संगीता ,दुर्गेश कमार सोनु और राकेश पाण्डेय के द्वारा किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में छात्र मौजुद थे।

आज जरुरत है नौजवानों को एक सही दिशा देने की

छात्र संसद को सम्बोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि नौजवांन जिधर चलते है जमाना उधर ही चलता है ,लेकिन आज जरुरत है नौजवानों को एक सही दिशा देने की। उन्होनें छात्रों से आह्वान करते हुए कहा की अगर युवाओं का साथ मिला तो हम बिहार से गरीबी को खत्म करेंगे, स्वच्छ बिहार का निर्माण करेंगे जिससे लोंगो को एक स्व्स्थ जीवन मिलेगा।मंगल पाण्डेय ने कहा कि एक विकसित बिहार को बनाने में हम सब को मिलकर काम करना होगा।

बिहार की भूमि कई धर्मों की मोक्ष भूमि है: प्रमोद कुमार

छात्र संसद को सम्बोधित करते हुए पर्यटन मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा की मैं जयप्रकाश नारायण द्वारा निर्मित छात्र संसद से निकला एक नेता हूं । बिहार की भूमि कई धर्मों की मोक्ष भूमि है। प्रमोद कुमार ने कहा कि बिहार में जात पात आज के समय की एक प्रमुख समस्या है। हम सब को मिलकर इस जात पात को खत्म करना होगा।जिससे एक समतामूलक बिहार बनाया जा सके । छात्रों की सबसे बड़ी समस्या अच्छी शिक्षा और रोजगार की हेल्पींग ह्यूमन से आकांक्षा चित्रांस ने छात्र युवा संसद को सम्बोधित करते हुए कहा की बिहार के छात्रों की सबसे बड़ी समस्या अच्छी शिक्षा और रोजगार की है। आज जरुरत है छात्र शिक्षा और रोजगार के अधिकारों को पाने के लिए आगे आए। जिससे एक विकसित बिहार बनाया जा सके ।

एमएलसी देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा की आज बिहार विकास के मामले में सबसे निचले पायदान पर खड़ा है,।हमारे यहाँ गरीबी हैं, रोजगार नहीं है, जात पात का बोलबाला है। हम लोगों को जातिवाद को खत्म कर एक विकसित बिहार को बनाना होगा। विधायक श्याम रजक ने अपने भाषण में कहा कि बिहार में महात्मा गांधी ने चंपारण सत्याग्रह की शुरूवात की जिसमे छात्रों का उन्हे काफी सहयोग मिला।

सबको शिक्षा दिए बगैर बिहार विकसित नहीं बन सकते हैं शिक्षाविद आर पी सर ने छात्र संसद को सम्बोधित करते हुए कहा कि सबको शिक्षा दिए बगैर बिहार विकसित नहीं बन सकते हैं । जब सरकार ने छात्रों को पढ़ने के लिए क्रेडिट कार्ड की व्यवस्था की है तो हम शिक्षकों का दायित्व है की यह सुनिश्चित करे की सभी छात्रों को शिक्षा मिले। चाहे छात्रों के पास पैसा हो या नहीं हो। बिहार छात्र संसद के आयोजक दुर्गेस कुमार सोनु ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह छात्र संसद छात्रों को अपने जनप्रतिनिधियों से बातचीत करने का एक खुला मंच हैं जिसमें छात्र विभिन्न मसलों पर जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद स्थापित कर सकते है। ज्ञान भवन में पुरे दिन चले इस छात्र संसद को छात्र संसद के संस्थापक अंकित कुमार, राकेश पाण्डेय, आदित्या शंकर, राजेश वर्मा, केशव शर्मा, सहित कई उन्य लोगों ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन चंदन ने किया।

मीडिया की सकारात्मक पहल से ही आएगी वैश्विक जागृति

भारत, नेपाल सहित एशिया और अफ्रीका के 14 देशों के पत्रकार हुए शामिल

सुधांशु कुमार सतीश/ आबू रोड (राजस्थान)

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय (ब्रह्माकुमारीज/ॐ शांति) संस्थान के शांतिवन परिसर में आयोजित पांच दिवसीय मीडिया महासम्मेलन में वैश्विक जागृति के लिए मीडिया की पहल विषय पर संवाद हुआ। इसमें देश विदेश से पधारे बुद्धिजीवी, पत्रकार, संपादक और साहित्यकारों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए एकमत से कहा कि मीडिया की सकारात्मक पहल से ही वैश्विक जागृति आएगी। मीडियाकर्मी पहले स्वयं में सकारात्मक बदलाव लाएं तभी समाज में भी बदलाव आएगा।

काठमांडू नेपाल से आए फेडरेशन ऑफ नेपाली जर्नलिस्ट्स के उपाध्यक्ष विपुल पोखरेल ने कहा कि मीडिया समाज के बदलाव का सबसे बड़ा आधार है। मीडिया यदि सकारात्मक होगा तो समाज में भी जागृति आएगी। ढ़ेंकनाल से आए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन के हैड प्रो. डॉ. मरिनल चटर्जी ने कहा कि आध्यात्म के बल से ही मीडिया और समाज में परिवर्तन आएगा। आध्यात्म में ही परिवर्तन की शक्ति है। राजस्थान यूनिवर्सिटी के मास कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. संजीव भानावत ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में आज हमारे पास सूचनाओं का भंडार है। इससे हमारा मतिष्क सूचनाओं की अधिकता से विचार शक्ति को खोता जा रहा है। मीडियाकर्मी में विचार होना जरूरी है।

जयपुर से आए न्यूज इंडिया चैनल के एडिटर इन चीफ संजय शर्मा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान समाज उत्थान के हित में बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। मीडिया एनालिस्ट एएनआई टीवी के जेवंश सिंह ने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह वैश्विक जागृति के लिए मीडिया को ही पहल करना होगी। यहां की कार्यप्रणाली सीखने योग्य है।

सबसे पहले खुद को बदलना होगा...

मीडिया विंग के नेशनल को-ऑर्डिनेटर बीके सुशांत ने कहा कि विश्व में परिवर्तन तभी आएगा जब मीडियाकर्मी स्वयं के अंदर परिवर्तन लाएंगे। जब तक हम खुद को नहीं बदलेंगे, तब तक दुनिया को नहीं बदल सकते हैं। हमारे जीवन में जो भी समस्याएं हैं उनका समाधान साइलेंस की पावर से निकाल सकते हैं। स्थिर मन से और बेफिर हो कर जब हम कोई भी समस्या का समाधान खोजते हैं, मंथन करते हैं तो बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान हमें मिल जाता है। समाज को बेहतर बनाने के लिए पहले मीडिया में जागृति जरूरी है। जब प्रत्येक मीडियाकर्मी जागरूक, सजग और आध्यात्मिक मूल्यों से सशक्त होगा तो वह समाज में भी आध्यात्म को बढ़ावा दे सकेगा।

पॉजीटिव विचारों को कार्यस्थल पर भी साकार करें....

संचालन करते हुए मीडिया विंग गुजरात जोन की जोनल को-ऑर्डिनेटर बीके नंदिनी ने कहा कि जैसे हम मोबाइल चार्ज करते हैं वैसे ही हमें अपनी आत्मा रूपी बैटरी को रोजाना चार्ज करना जरूरी है। यहां से आप जो पॉजीटिव विचार लेकर जाएं उसे अपने कार्यस्थल पर भी साकार करें।

पत्रकारों को पहले खुद का समाज बदलना होगाः डॉ. आशीष द्विवेदी

सागर से पधारे इंक मीडिया कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. आशीष द्विवेदी ने कहा कि पहले हमें अपना घर साफ करने की जरूरत है। पत्रकारों को अपनी मानसिकता

बदलने की जरूरत है। आज पत्रकारिता अपने पतन के स्वर्णिम काल की ओर जा रही है। उन्होंने अपने साथ लाए कई अखबारों की खबरों को दिखाते हुए कहा कि आज अखबारों में जिस तरह से खबरों को प्रस्तुत किया जा रहा है, इससे रिश्तों से विश्वास उठता जा रहा है। संबंधों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। पत्रकारों की मानसिकता बन गई है कि नेगेटीविटी ही समाचार है। आज सबसे पहले मीडिया मालिकों की मानसिकता बदलने की जरूरत है। पूंजी का जैसा चरित्र होगा, जिसा प्रकार से प्रवाह होगा, उसका चरित्र (अखबार) भी वैसा ही होगा। पहले पत्रकारों को खुद का समाज बदलना होगा।

रायपुर से पधारे संपादक मधुकर द्विवेदी ने कहा कि जो कलम सरीखे टूट गए पर झुके नहीं, ये दुनिया उनके आगे शीश झुकाती है, जो कलम किसी कीमत पर बेची नहीं गई, वह इतिहास रचाती है। उन्होंने कहा ब्रह्माकुमारीज संस्थान पिछले आठ दशक से समाज उत्थान का कार्य कर रही है। श्वेत वस्त्रधारिणी ये ब्रह्माकुमारी बहनें साक्षात सरस्वती का अवतार हैं जो समाज में आध्यात्म की ज्योत जगा रही हैं। लोगों को बेहतर जीवन जीने की प्रेरणा दे रही हैं।

जो लोगों से जुड़ी हो, वही सच्ची पत्रकारिता...

अहमदाबाद के पॉजीटिव मीडिया इंस्टीट्यूट के फाउंडर रमेश पी तन्ना ने महात्मा गांधी का उदाहरण देते हुए कहा कि गांधी जी की पत्रकारिता समाज कल्याण पर आधारित पत्रकारिता थी। जो लोगों के साथ जुड़ी हो वही सच्ची पत्रकारिता है। अखबार में पेजों की संख्या से नहीं बल्कि उसमें लिखा क्या गया है, इससे फर्क पड़ता है। बीके डेली ई-न्यूजपेपर की एडिटर बीके सुप्रिया ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि राजयोग मेडिटेशन वह चमत्कारिक शक्ति है जिससे हमारी आंतरिक शक्ति और ऊर्जा पुनः जागृत हो जाती है। साथ ही उन्होंने ब्रह्माकुमारी द्वारा निकाले जा रहे डेली ई-न्यूजपेपर के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मूल्यनिष्ठ व्यक्ति से ही मूल्यनिष्ठ मीडिया बनेगा...

मीडिया विंग के उपाध्यक्ष बीके आत्मप्रकाश ने कहा कि जब हमारा जीवन में आध्यात्मिकता होगी, तभी मूल्य आएंगे। मूल्यनिष्ठ व्यक्ति से ही मूल्यनिष्ठ मीडिया बनेगा। एक-एक मीडियापर्सन बदलेगा तो आपको देखकर हजारों लोग बदल जाएंगे, क्योंकि आपके पास कलम की ताकत है। अपना जीवन खुशनुमा बनाएं। स्व परिवर्तन ही विश्व प्रिवर्तन का आधार है। द वर्ल्ड रिनूवल के एसोसिएट एडिटर डॉ. बीके युधिष्ठिर ने कहा कि आध्यात्मिकता ही सर्व समस्याओं का हल है।

इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्टस (दिल्ली) से संबद्ध बिहार प्रेस मेंस यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरीय पत्रकार एस एन श्याम ने कहा कि माउंट आबू में ब्रह्माकुमारी के अंतराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में आयोजित पांच दिवसीय मीडिया महासम्मेलन में विभिन्न वक्ताओं के संबोधन एवं संभाषण से मीडिया को एक नई दिशा देने का मार्ग प्रशस्त हुआ है ।

बेहतर विश्व के निर्माण के लिए प्रबुद्ध मीडिया विषय पर आयोजित इस मीडिया महासम्मेलन में श्री श्याम के नेतृत्व एवं यूनियन के महासचिव सुधांशु कुमार सतीश की अगुआई में बिहार, दिल्ली, इंदौर, इलाहाबाद से डेढ़ दर्जन से ज्यादा पत्रकारों ने भाग लिया । भाग लेने वालों वरीय पत्रकार महेश सिंह, चंद्रकांत पांडे, संजय तिवारी, अमित श्रीवास्तव, श्रीमती हेमलता उपाध्याय, भोला प्रसाद इत्यादि शामिल हुए ।

राजयोग की अनुभूति कराई...

दिल्ली की जोनल को-ऑर्डिनेटर बीके सुनीता ने राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से शांति की गहन अनुभूति कराई। सम्मेलन का पूरा विवरण बड़ोदा के सबजोनल को-ऑर्डिनेटर बीके नरेन्द्र ने प्रस्तुत किया। संचालन बिलासपुर की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके मंजू ने किया। आभार पंजाब के जोनल को-ऑर्डिनेटर बीके करमचंद ने माना। इस मौके पर देश-विदेश से पधारे 1500 से अधिक पत्रकार, संपादक मौजूद रहे।

सभी ने सर्वसहमति से आठ सूत्रीय प्रस्ताव पास किया...

- प्रबुद्ध पत्रकार विश्व में सकारात्मक परिवर्तन व समाज निर्माण के लिए कार्य करने में अपना सहयोग देंगे।
- मीडियाकर्मी अपने दैनिक जीवन में जब आध्यात्मिकता, मूल्य, राजयोग मेडिटेशन, सकारात्मकता और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाएंगे तभी समाज में परिवर्तन लाया जा सकेगा।
- मीडिया सामाजिक मुद्दों जैसे मानवीय अधिकार, गरिमा, शिक्षा, बंधुत्व, शांति, स्वास्थ्य, आर्थिक-सामाजिक समानता एवं न्याय, पर्यावरण स्वच्छता जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान केंन्द्रित करेंगे।
- मीडियाकर्मी अपने व्यक्तिगत स्वार्थ की जगह सामाजिक सरोकारों को वरीयता देंगे।
- समाज के कमजोर वर्ग, उपेक्षित व शोषित वर्ग को पोषित करने के लिए सदा निजी स्वार्थ, राजनीतिक दबाव से ऊपर उठकर कार्य करेंगे।
- लोगों में नैतिक मूल्य, चरित्र एवं सभ्य आचरण को लेकर प्रोत्साहित करेंगे।
- मीडियाकर्मियों को प्रेरित करने के लिए देशभर में कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, सम्मेलन और जनजागृति अभियान चलाए जाएंगे।

खुले मे शौच से मुक्त जल्द होगा कटोरिया- पंचायत: गांधी जयन्ति के अवसर पर लिया गया शपथ

राजेश पंजिकार(ब्यूरो चीफ)

स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत गांधी जयन्ति के अवसर पर ग्राम पंचायत भवन कटोरिया में मुखिया प्रदीप कुमार गुप्ता की अध्यक्षता मे एक ग्राम सभा का आयोजन किया गया.सर्व प्रथम गांधी की तस्वीर पर मुखिया जी द्वारा पुष्प अर्पित किया गया तत्पश्चात यह शपथ लिया गया कि खुले मे शौच से मुक्त हमारा हो चुका है किन्तु कुछ अंश पंचायत में बाकी बजे कुछ कार्यो को १० दिनो अंदर पूरा कर पूर्ण रूपेन ओ डीएफ होजाएगा.अपने संबोधन मे उन्होने पंचायत मे हुए अन्य योजनाओ के सफलता के बिषय मे भी बताया.हर घर जल नल योजना के विषय मे उन्होने कहा कि यह योजना इस पंचायत मे शत प्रतिशत सफल है.इसके लिए बिगत माह इन्हे मूख्य मंत्री के मूख्य सलाहकार अंजनी कु सिहं के द्वारा भी उन्हे सम्मानित किया गया था.

आवास योजना के विषयलमे चर्चित बिहार को बताया कि इस पंचायत में आवास योजना भी पूरा हो चुका है.नली गली सडक योजना भी बिभिन्न पंचायतो मे पूरा हो चुका है. कटोरिया पंचायत मे कुल बाडो की जनस्ख्या निम्म है,बार्ड न५-८२५,८ -७२५,१२-६२५,७-७४६,११-७१६,६ - ७५६ हैएव बाड न १४ मे कुल आवादी ७७२ है.इन सभी बाडो मेवयोजना का काम लगभग पूरा हो चुका है.पर भी चर्चा हुई.उसके बाद बारी बारी से उपस्थित सभी अतिथियोके द्वारा गांधी जी केआर्दशो पर भी बिचार ब्यक्त किया.इस अवसर पर सचिव अमेन्द्र कु.सिह,आवास सहायक रविशंकर,पीआरएस बबलु राम,जीवीका बी पीएम शिखा बाड सदस्य मे से गीता देवी,अशोक केसरी,समता दास,मीना देवी,ब्रिक्रम राम,सोनी देवी,धमेन्द्र कुमार के साथ अन्य गण मान्य मे मोहन पांडे,बिवेका पांडे,बीरेन्द्र सिह,बीरेन्द्र शर्मा, आदिउपस्थित थे

प्रतिभा किसी पहचान की मोहताज नहीं होती और जो प्रतिभावान होते हैं वे अपनी पहचान बना ही लेते हैं

प्रतिभा किसी पहचान की मोहताज नही होती और जो प्रतिभावान होते हैं वे अपनी पहचान बना ही लेते हैं. ऐसे ही रूप, गुण, प्रतिभा और सादगी की मिश्रण है डीडी बिहार की चर्चित एंकर शशि सिन्हा जी. मूलतः सीतामढ़ी की शशि का जन्म पटना में ही हुआ और इन्होंने अपनी शिक्षा भी यहीं ग्रहण की.शशि के पिताजी सचिवालय में सीनियर ऑफिसर तथा माताजी एक कुशल गृहणी है. बचपन से ही लिखने की शौकीन शशि अपने दादाजी और पिताजी को अपना आदर्श मानती हैं. उन्होंने बताया की उनके दादाजी श्री ने रामायण जैसे ग्रन्थ का उर्दू में अनुवाद किया था लेकिन किसी कारणवश वो छप न सका. वे बताती हैं की आज भी गाँव वाले घर पर दादाजी द्वारा लिखी हुई पुस्तके रखी हुई हैं. जब उनके दादाजी का स्वर्गवास हुआ तब वे बहुत छोटी थी लेकिन उनके पिताजी उन्हें दादाजी की कहानियाँ सुना कर प्रेरित किया करते थे और इसी का नतीजा है की शशि में लिखने की ललक जागी.

शशि ने 2005 में देश के चर्चित अखबार हिंदुस्तान के लिए लिखना शुरू किया और तब से ले कर 2012 तक निरंतर इस क्षेत्र में सक्रीय रहीं. इस दौरान उनके 300 से भी ज्यादा आलेख प्रकाशित हुए और कई कवर स्टोरी भी छपी.2012 में कुछ पारिवारिक परिस्थितियों की वजह से उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी. जब घर की स्थिति सामान्य हुई तो वे दूरदर्शन से जुड़ गई. यहाँ इन्होंने मेरा बिहार, कानूनी सलाह, गुमशुदा जैसे बड़े कार्यक्रम किये. फिलहाल आप इन्हें गाँव घर और कृषि दर्शन में देख सकते हैं. अपने अनुभवो को बताते हुए वो कहती हैं की उन्होंने जय प्रकाश नारायण के ऊपर एक फिल्म जो दूरदर्शन ने बनाई जिसमे इससे जुड़े कई हस्ती के इंटरव्यू लिए.

वे बताती हैं की ये उनके करियर का सबसे अच्छा अनुभव है. शशि मॉस कम्युनिकेशन के कोर्स के साथ साथ क्रियेटिव राइटिंग का भी कोर्स किया है.

संघर्ष की बात करते हुए शशि जी कहती हैं की इस मामले वे हमेशा भाग्यशाली रही है. उन्हें सदैव घर वालों का साथ मिला. वे कहती हैं की कई बार उन्हें पटना से बाहर जा कर काम करने के भी ऑफर मिले लेकिन कुछ मजबूरियों की वजह से वो वहाँ जाने में असमर्थ रही और इस बात का उन्हें जिन्दगी भर अफसोस रहेगा. इंटरव्यू के अंत में उन्होंने कहा की वे भगवान और हर उस इंसान की शुक्रगुजार हैं जिन्होंने किसी भी रूप में यहाँ तक आने में उनकी सहायता की.

बहिष्कार से किसे फायदा

सुधांशु रंजन

स्थानीय निकायों के चुनावों को लेकर कश्मीर इन दिनों सुर्खियों में है। नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी के बाद अब माकपा ने भी इस चुनाव के बहिष्कार की घोषणा कर दी। इन राजनीतिक दलों की मांग है कि पहले केंद्र सरकार संविधान के अनुच्छेद 35ए पर अपना रुख स्पष्ट करे। जाहिर है, यह एक गैर मुद्दे को मुद्दा बनाना है, क्योंकि राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने पदभार ग्रहण करते ही निर्णय लिया कि अनुच्छेद 35ए पर राज्य सरकार शीर्ष अदालत में अपना पक्ष रखेगी। गौरतलब है कि फारूक अब्दुल्ला ने पहले स्थानीय निकायों के चुनाव का समर्थन करते हुए कहा था कि यह चुनाव न दिल्ली के लिए है, न श्रीनगर के लिए है, बल्कि यह जनता के लिए है। अभी सांविधानिक व्यवस्था के तहत बड़ी धनराशि सीधे स्थानीय निकायों को जाती है। परंतु थोड़े दिनों पहले यू-टर्न लेते हुए उन्होंने चुनाव के बहिष्कार की घोषणा कर दी। दरअसल उनके साथ अस्तित्व का संकट है। ऐसे ही पीडीपी को भी अपनी खोई जमीन की तलाश है। मगर इन राजनीतिक पार्टियों के विरोधों को नजर अंदाज कर वहां चुनावों की घोषणा हो गई। ये चुनाव अक्तूबर-नवंबर में होने वाले हैं। यह सही है कि 2016 में बुरहान वानी की मौत के बाद से घाटी में हालात अच्छे नहीं है। पिछले साल श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र के लिए हुए उपचुनाव में केवल 7.14 फीसदी मतदान हुआ था, जिसमें फारूक अब्दुल्ला जीते थे। फारूक को इसका जवाब देना चाहिए कि मतदान का प्रतिशत इतना कम होने के बावजूद उन्होंने सांसद बने रहना क्यों पसंद किया। ऐसे ही मुख्यमंत्री बनने के बाद महबूबा मुफ्ती ने अनंतनाग लोकसभा सीट से इस्तीफा दिया था, परंतु आज तक वहां उपचुनाव कराना संभव नहीं हो पाया। यानी कानून-व्यवस्था की समस्या वहां है। ऐसे में, वहां के मुख्य राजनीतिक दलों द्वारा स्थानीय निकायों के चुनावों के बहिष्कार से स्थिति और जटिल ही होगी। क्या चुनाव का बहिष्कार किसी समस्या का हल है? राज्यपाल मलिक का कहना है कि निष्पक्ष चुनाव न होने के कारण ही राज्य में अलगाववाद की समस्या पनपी है।

इस सच से इन्कार नहीं किया जा सकता। बेशक 35ए एक गंभीर मुद्दा है, जो राज्य सरकार को राज्य का स्थायी निवासी घोषित करने का अधिकार देता है। यह बेहद संवेदनशील मसला है, जो सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। इस अनुच्छेद के समर्थकों का तर्क है कि ऐसी व्यवस्था महाराजा हरि सिंह ने ही 1927 में की थी। लेकिन जब यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है, तब राजनीतिक पार्टियों को इसे विवाद का मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। गौरतलब है कि 73वां एवं 74वां संविधान संशोधन जम्मू एवं कश्मीर पर लागू है और राज्य के बजट का एक बड़ा हिस्सा सीधे स्थानीय निकायों को जाता है। चूंकि प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त है, इस कारण 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देती है और बाकी 10 प्रतिशत भी उसे कर्ज के रूप में प्राप्त होता है। स्थानीय निकायों के चुनाव न होने से वहां विकास कार्य प्रभावित होंगे। इसके अलावा यह भी नहीं भूलना चाहिए कि वहां ये चुनाव 10 साल के बाद हो रहे हैं, लेकिन कुछ पार्टियां राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उसका बहिष्कार कर रही हैं। संभव है कि चुनाव में जनता भारी संख्या में मतदान करे। हालांकि दक्षिण कश्मीर के कुछ जिलों में समस्या हो सकती है। बेशक केंद्र सरकार के सामने निष्पक्ष एवं हिंसामुक्त चुनाव कराने की चुनौती तो है ही।

अल्पसंख्यक छात्रावास में छात्रों और छात्राओं के लिए मोटिवेशनल वर्कशॉप एक सुनहरा मौका : शाहिद अतहर

जाहिद अनवर (राजु) / दरभंगा

दरभंगा--दिल्ली पारामेडीकल एंड मैनेजमेंट संस्थान दरभंगा की ओर से अल्पसंख्यक छात्रावास मिल्लत कॉलेज में दिनांक 25 सितम्बर 2018 दिन मंगलवार शाम 4 बजे से 5.30 बजे तक एक मोटीवेशनल वर्कशाप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें अतिथि मुहम्मद वसीम अहमद जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, विशिष्ट अतिथि डॉक्टर मोहम्मद रहमतुल्लाह प्रिंसिपल मिल्लत कॉलेज, ईनजिनियर मोहम्मद अब्दुल्लाह वार्ड पार्षद एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी महमूद आलम पूर्व प्रिंसिपल मिल्लत कॉलेज करेंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ अब्दुलमतिन कास्मी करेंगे। अन्य वक्ताओं में डॉ एडीएन सिंह और शाहिद अतहर उपस्थित होंगे। कार्यक्रम शिक्षा, स्वास्थ्य और पारामेडिकल की जानकारी प्रदान करेगा। मालूम रहे की यह पहला मौका है की किसी संस्थान ने किसी हॉस्टल में सीधे तौर से बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित कर रहा हो। शाहिद अतहर निदेशक मार्केटिंग ने छात्रों एंव छात्राओं से अधिक संख्या में शामिल हो कर इस अवसर का लाभ उठा कर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए निवेदन किया है।

दरभंगा जिला के लिए बड़ी उपलब्धि, राजद नेता सह पूर्व मेयर समाज रत्न पुरस्कार से सम्मानित हुए

जाहिद अनवर (राजु) / दरभंगा

पटना/दरभंगा--राजद नेता सह पूर्व मेयर ओमप्रकाश खेड़िया को समाज सेवा एवं राजनीति में विशिष्ट कार्य करने पर समाज रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से आज बिहार चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पटना के सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल श्री लालजी टंडन बिहार के हाथों विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाले को समाज रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर राजनीति एवं समाज सेवा में विशिष्ट कार्य करने हेतु दरभंगा के पूर्व मेयर सह राजद नेता ओमप्रकाश खेड़िया को समाज रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इनके साथ ही चिकित्सा, शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में भी विशिष्ट कार्य करने वाले पूरे बिहार के 21 लोगों को यह पुरस्कार दिया गया।

ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ का राष्ट्रीय सेमिनार हुआ जबरदस्त कामयाब, जमावड़ा लगा नामचीन हस्तियों का

जाहिद अनवर (राजु) / दरभंगा

दरभंगा--ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ के तत्वाधान में रविवार को शहर के डीएमसीएच ऑडिटोरियम में ह्यह्यबिहार की सियासत में उभरते रुझानह्लह्ल के विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता कारवाँ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम और संचालन अफशा खान, ओसामा हसन और तारिक इकबाल ने संयुक्त रूप से किया। प्रोग्राम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर डीएमसीएच के पैथोलॉजी डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष डॉ अजीत चैधरी ने किया। कीनोट ऐड्रेस बी.बी.सी. के पूर्व रिपोर्टर सह जनता का रिपोर्टर रिफत जावेद ने पेश किया और मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ और विशिष्ट अतिथि के रूप में इंसाफ मंच के राज्य उपाध्यक्ष नियाज अहमद शरीक हुए। कारवाँ की ओर से पाग, शाल, बुके और मोमेंटो देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने भाषण में सेमिनार की महत्त्वता पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ पत्रकार रिफत जावेद ने कहा कि हमारे राजनीतिक समझ के साथ मजाक किया जा रहा है देश की विडंबना है कि जिन के नाम पर सियासत की जाती है उनके प्रति हमारे दिलों में कोई हमदर्दी नहीं होती है। देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाना है तो धर्म के झूठे सौदागरों से होशियार रहना होगा। उन्होंने कहा कि हमें सवाल करने की आदत डालनी चाहिए इससे पहले कि हमारी आने वाली नस्ल हमसे सवाल करें। स्कॉलर और सामाजिक कार्यकर्ता अभय कुमार ने कहा कि धर्म की सियासत बंद होनी चाहिए। धर्म हमारे घर का मामला होना चाहिए समाजी जिंदगी में हम सब हिंदुस्तानी हैं और नफरत की सियासत समाज से खत्म होनी चाहिए। उन्होंने बहुसंख्यक समाज से आह्वान किया होश के नाखून ले, धर्म और देश भक्ति के ठेकेदारों से बचें। सरकार किसी की भी हो सवाल करना चाहिए। वहीं डॉक्टर अजीत चैधरी ने अपने भाषण में कहा कि सरकारी शिक्षण संस्थान जितने भी हैं सब चैपट हो चुके हैं। बिहार हमेशा से अशांति की भूमि रही है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार संघर्ष एवं कुर्बानियां का केंद्र रहा है। परिपेक्ष में उन्होंने शहीद स्मारक पटना का नाम भी लिया उन्होंने यह भी कहा कि सरकारों के द्वारा हम से सोचने समझने और बोलने की आजादी छीनी जा रही है। सरकार के खिलाफ बोलने पर देशद्रोही का चार्ज लग सकता है और गिरफ्तारी भी हो सकती है। डॉ अजीत चैधरी ने यह भी कहा के बिहार में जनता के मैंडेट के साथ छल हुआ है। आरटीआई कार्यकर्ता अफरोज आलम साहिल ने किसानों की बदतर हालत का जिक्र करते हुए उनकी दुर्दशा का डाटा पेश किया। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के इतिहास विभाग के टीचर प्रोफेसर मोहम्मद सज्जाद ने कहा कि भारत बहुसंख्यक समाज के स्वर्ण जातों के जाल में फंस गया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आज वह अंधभक्त हैं और कल हम भक्त थे। संप्रदायिकता अगर जहर है तो उसका इलाज लोकतंत्र है। उन्होंने यह भी कहा कि मंडल वन के तरह मंडल टू की जरूरत है ताकि जो पिछड़े और दलित जात के लोग सत्ता से और सिस्टम से पीछे रह गए हैं। उनके साथ खड़ा हुआ जाए। गुजरात दंगा के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाली महिला सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार तीस्ता सीतलवाड़ ने कहा कि बिहार की सरजमीन में राजनीति है। यहाँ से हमेशा हक और इंसाफ की आवाज उठती रही है।

उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान के लिए आवाज उठाने की जरूरत है और इसका सुबूत बिहार के लोगों ने दिया है। हमारे पास संविधान की शक्ल में एक मजबूत किताब है इसके रहते हुए हिंदू राष्ट्र की कल्पना करना और उस का ऐलान करना संविधान के खिलाफ है। तीस्ता ने दिवंगत रोहित वेमुला की डायरी का जिक्र करते हुए उसका इतिहासिक वाक्य नकल किया ह्यह्यअगर तुम दलित हो और उच्च शिक्षा के लिए यूनिवर्सिटी भेजे जा रहे हो तो अपने साथ जहर की पुड़िया या फांसी का फंदा भी लेते आनाह्लह्ल उन्होंने जनता से यह भी अपील की के आने वाले चुनाव में लोकतंत्र और देश को बचाना है तो वार्ड मेंबर से लेकर एमपी तक के लिए आर.एस.एस. के लोगों को दूर रखना होगा। तीस्ता ने कहा कि इस वक्त सबसे ज्यादा डर मुसलमानों को है लेकिन मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। हमारे जैसे लोग हर कदम पर उनके साथ हैं। उन्होंने अपने भाषण में गुजरात फसाद की लड़ाई किस तरह लड़ी इस पर भी रोशनी डाली और कहा कि उन्होंने 10 दिन पूर्व जकिया जाफरी केस में सुप्रीम कोर्ट में रिट दाखिल किया है और इस संबंध में बड़ी मेहनत से कानूनी सबूत इकट्ठा किए हैं। अब कोर्ट पर है कि वह किस तरह उसे देखता है। अफशा खान ने अपने भाषण में लड़कियों को आगे लाने और उनमें राजनीतिक समझ पैदा करने का आह्वान किया। इंसाफ मंच के राज्य उपाध्यक्ष नियाज अहमद ने धन्यवाद ज्ञापन पर सेमिनार का समापन हुआ सेमिनार में डा0 तसकीन आजमी, मकसूद आलम पप्पु खान, डा0 राहत अली (प्रवक्ता), जमशेद आलम, सैफुद्दीन उर्फ टीपू, शाह इमादुद्दीन सरवर, यासिर खान, काशिफ युनुस (पटना), ई0 निशात करीम शौकत, आर.के.सहनी, डा0 आफताब आलम, प्रिंस कर्ण, गजेन्दर शर्मा, संदीप चैधरी, नफसी बेग, तौसीफ उर्फ राजा, अशरफ सुबहानी, मोतिउर रहमान, राजा खान, नौशाद अहमद, तबरेज आलम, आर.ई. खान, शमीम हैदर, डा0 अकील सिद्दीकी, डा0 अयुब राईन, सफीउर रहमान राईन, सैफुल इस्लाम, जाहिद हुसैन, मो0 हीरा, बदरूलहोदा खान, नियाज अहमद (पूर्व ए.डी.एम.), डा0 मंजर सुलेमान, डा0 बदरूद्दीन, डा0 अब्दुल मतीन कासमी, हुमायुं शैख, कुद्दूस सागर, मो0 सोहैल, मुतुर्जा राईन, मतलूबुर रहमान, अताउल्लाह खान पुट्टू, ई0 रिजवी, अलतमश अलवी, प्रो0 सुरेन्द्र सुमन, असरारूलहक लाडले, भगत, नसीम अहमद रिफत, अजहर सुलेमान, इरशाद कुरैशी आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मतदाताओं का नाम जोड़ने हटाने एवं संशोधन को आयुक्त के द्वारा मिले कई निर्देश, नपेंगे लापरवाही बरतने वाले कर्मी

जाहिद अनवर (राजु) / दरभंगा

दरभंगा--समाहरणालय स्थित डॉ.भीमराव अम्बेदकर सभागार में आयोजित बैठक में आयुक्त ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत नाम जोड़ने-हटाने अथवा संशोधन करने के जितने भी फॉर्म अबतक बीएलओ को प्राप्त हुए हैं उसका त्वरित निष्पादन करें। आयुक्त मयंक बरबड़े ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की आज समीक्षा की। नाम जोड़ने हटाने अथवा संशोधन करने के क्रम में निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का अवश्य पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि नाम जोड़ने-हटाने एवं संशोधन के मामलों में संबंधित पक्ष को इससे संबंधित नोटिस जरूर दें। जिला में महिला मतदाता तथा 18 वर्ष आयु वर्ग से ऊपर के नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए उन्हें प्रेरित करने हेतु व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। जिलाधिकारी डॉ.चंद्रशेखर सिंह ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी तथा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वह स्थानीय जनप्रतिनिधि, विकास मित्र, बीएलओ, जीविका दीदी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें अधिकाधिक लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए प्रेरित करें। सभी बुथों पर सभी तरह के प्रपत्र पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रहे तथा बुथ स्तरीय पदाधिकारी (बीएलओ) प्रतिदिन सन्ध्या 3:00 से 5:00 बजे तक अपने अपने बूथ पर उपस्थित होकर इच्छुक योग्य मतदाताओं का नाम जोड़ने-हटाने व संशोधन संबंधी फॉर्म प्राप्त करें। इसे हर हालत में सुनिश्चित किया जाए। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारियों को इसका नियमित रूप से अनुश्रवण करते रहने को कहा गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि 7 एवं 28 अक्टूबर को विशेष मतदाता पुनरीक्षण दिवस आयोजन होगा। इस दिन सामान्य मतदाताओं के अलावे महिला एवं नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए विशेष रूप से कार्यक्रम आयोजित करें। सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी के कार्यालय में डाटा एंट्री ऑपरेटर की उपलब्धता हर हालत में सुनिश्चित करें। बैठक में क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी, अपर समाहर्ता मोबीन अली अंसारी, डीडीसी डॉ. कारी प्रसाद महतो, उप निर्वाचन पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं सम्मानित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दरभंगा लोकसभा क्षेत्र बना चर्चा का विषय, भाजपा के डॉ.समरेन्द्र सिंह या जदयू के संजय झा

जाहिद अनवर (राजु) / दरभंगा

जैसे जैसे लोकसभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है वैसे वैसे दरभंगा लोकसभा क्षेत्र की स्तिथि दिलचस्प होती जा रही है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले डॉ. समरेन्द्र प्रताप सिंह को भाजपा में शामिल कर भाजपा ने सबको चौंका दिया है।

डॉ.सिंह को लेकर भाजपा ने जहां विरोधियों के सामने चुनौती दे दी है वहीं गठबंधन के अंदर भी संदेश दिया गया है कि भाजपा अपनी पुस्तैनी सीट दरभंगा को किसी भी स्थिति में छोड़ने नहीं जा रही है। उधर दूसरी ओर जदयू के संजय झा के इसी सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा अलग है। बहरहाल एनडीए के दोनों दल के कार्यकर्ता असमंजस में है।

विदित हो कि डॉ.सिंह दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक, प्रधानाचार्य और एनएस थिसिया विभाग के विभागाध्यक्ष रह चुके हैं और तीनों पद एक साथ संभालते रहे। इतना ही नहीं वे आर्यभट्ट विश्वविद्यालय और ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति भी रह चुके हैं। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में डॉ.सिंह के कार्यकाल स्वर्णिमकाल के रूप में जाना जाता है। उस समय स्थापनाकाल से लंवित पड़े हुए शिक्षक और कर्मियों का पदोन्नति को एक झटके में संपन्न कराया। कैम्प लगाकर अवकाश प्राप्त शिक्षा कर्मियों का बकाया भुगतान करवाया। इनके तीन साल के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में एक भी धरना-प्रदर्शन नहीं हुआ जो दशार्ता है कि ये कितने न्यायप्रिय के साथ-साथ लोकप्रिय थे।

राजनीतिक अस्थिरता से राज्य का विकास बाधित होता है: गुड्डू

सुशासन बाबू के राज्य में दिनों दिन अपराध बढ़ रहा है और सरकार चैन की बंसी बजा रहे है: गुड्डू

आशिष कुमार झा (सहरसा) बिहार के राजनीति हालात पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए युवा लोजद के प्रदेश महासचिव उमर हयात उर्फ गुड्डू ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य की जनता को हमेशा ठगने का काम किया है और बिहार को बदनाम करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि वे बात नैतिकता की करते है मगर वे कौन सी नैतिकता गढ़ रहे है। अगर लालू यादव खराब है तो उनके साथ ही बिहार की जनता ने जनादेश दिया था। नीतीश ने सब कुछ जानते हुए भी उनका हाथ क्यों पकड़ा था। आज लालू यादव को खराब कह रहे है कल भाजपा को कह रहे थे। भाजपा से भी तो अलग नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने के बाद हुए थे तब कहा था कि मिट्टी में मिल जाएंगे मगर भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को बताना चाहिए कि वे किस मिट्टी में जा रहे है तब भाजपा को सांप्रदायिक बताया थो तो क्या अब वे सांप्रदायिक नहीं है। युवा लोजद के प्रदेश महासचिव उमर हयात उर्फ गुड्डू ने कहा कि राज्य की जनता जानना चाहती है कि आपकी नैतिकता की परिभाषा क्या है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार गांधी के सपने दिखाते है उनकी बात करते है मगर अपनी कुर्सी बचाने के लिए वे कोई हद तक जा सकते है उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि राजनीतिक अस्थिरता से राज्य का विकास बाधित होता है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार तो अब मैनडेट का भी अपमान करना शुरू कर दिया है। यह बिहार के लिए सही संकेत नहीं है वे बिहार को बर्बाद करने पर तुले हुए है। सुशासन बाबू का ये कैसा सुशासन है। बिहार के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने अंधेरे में इस्तीफा दिया और उजियारे के साथ फिर शपत ग्रहण कर लिया। इस कारण नीतीश कुमार इतिहास पुरुष भी बन गए। उन्होंने कहा कि कुर्सी के लिए नीतीश कुमार ने कई समझौते किये लेकिन भाजपा के साथ नीतीश कुमार का नया समझौता बहुत महंगा पड़ेगा। समझौते के साथ भाजपा ने अपनी पहली लड़ाई जीत ली। भाजपा लालू यादव से नीतीश कुमार को अलग करने में सफल हो गयी। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने जनाधार विस्तार की लगातार कोशिश कर रही है इस प्रयास में भाजपा का अगला निशाना नीतीश कुमार का कथित आधार वोट होगा। वैसे भाजपा इन वोटों में पहले से ही सेंधमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि नये समझौते के साथ बिहार की राजनीतिक लड़ाई बदल गयी है। लोकसभा चुनाव के पहले तक बिहार की लड़ाई लालू यादव व नीतीश कुमार के बीच थी उसी लड़ाई में भाजपा को जबरदस्त फायदा हुआ था। लेकिन नीतीश के साथ भाजपा के नये गठबंधन बनने के बाद अब लड़ाई भाजपा और महागठबंधन के बीच हो गयी है इस लड़ाई में नीतीश कुमार के जीरो टॉलरेंस, सुशासन और छवि हाशिये के विषय हो जाएंगे। यह भी भाजपा की बड़ी सफलता है कि उसने नीतीश के मुद्दे को हाशिये पर धकेल दिया है। यदि नीतीश का मुद्दा हाशिये पर चला गया तो नीतीश खुद बखुद हाशिये पर चले जाएंगे। उमर हयात उर्फ गुड्डू ने कहा कि इसके साथ ही 2013 और 2017 के भाजपा में काफी बदलाव आ गया है। भाजपा अब स्टेपनी की भूमिका में रहने वाली नहीं है। भाजपा ने नीतीश कुमार को अपनी रणनीति के तहत समर्थन दिया है ताकि सत्ता में आकर संगठन को अधिक मजबूत बना सकें। भाजपा का संगठन जितना मजबूत होगा नीतीश कुमार को आधार उतना ही कमजोर। नीतीश कुमार कुर्सी के सौदे में अपनी जमीन हार चुके हैं। इसका लाभ भाजपा को मिलेगा और नुकसान नीतीश कुमार को। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार विनाश काले विपरीत बुद्धि की राह पर चल रहे है। सत्ता के अहंकार में चूर सुशासन बाबू के राज्य में दिनों दिन अपराध बढ़ रहा है और सरकार चैन की बंसी बजा रहे हैं। युवा लोजद के प्रदेश महासचिव उमर हयात उर्फ गुड्डू ने कहा कि वर्तमान में डबल इंजन नही डबल जुल्म की सरकार देश में चल रही हैं। सूबे में गिट्टी बंदी, बालू बंदी, मिट्टी बंदी की गई हैं इसलिए आगामी चुनाव में बिहार की जनता अपने वोट की ताकत के दम पर सरकार की नसबंदी कर देगी। वही केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि देश के वर्तमान सरकार ने 2014 में रोजगार का वादा किया परंतु चार साल में धोखा मिला। पंद्रह लाख देने का वादा कर लोगों को धोखा दिया गया। उन्होंने कहा कि सारे विपक्ष एक होकर केंद्र सरकार को सत्ता से उखाड़ने का काम करेगा। भाजपा सरकार से लोग तंग आ चुके है और महंगाई की मार से जनता त्रस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थ, रसोई गैस, बिजली के मूल्य में वृद्धि और पानी की किल्लत जैसे जनमुद्दों के खिलाफ देशभर की जनता ऊब चुकी है। केन्द्र की भाजपा सरकार देश को धर्म के आधार पर बांटना चाहती है लेकिन उनके मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे। जीएसटी के कारण व्यवसायी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि चौकीदार कहने वाले के नाक के नीचे से विजय माल्या, नीरव मोदी जैसे लोग हजारों करोड़ की राशि गटक गए। किसानों की हालत काफी खराब है उन्हें फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी नहीं मिल पाता है। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि 10 करोड़ लोगों को रोजगार देने की जगह 10 करोड़ युवाओं का रोजगार छीन लिया गया। बिहार में खनन नीति के कारण बालू व गिट्टी के दाम बढ़ गये, कोसी के किसानों का मक्का नहीं बिक रहा है। उमर हयात उर्फ गुड्डू ने बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शराबबंदी कानून से हजारों गरीब, दलित, अतिपिछड़ा, आदिवासी जेल चले गये। नलजल, नली गली योजना सिर्फ कागजों पर सिमटी हुई है। पंचायत प्रतिनिधियों का अधिकार छीन लिया गया है। मनरेगा मजाक बन गया है और अस्पतालों में सीरिंज तक नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार किससे विशेष राज्य का दर्जा मांग रहे हैं जबकि केन्द्र में उनके गठबंधन की सरकार है। सीएम नीतीश कुमार सिर्फ जनता को धोखा देने के नाम पर निर्गुण भजन गा रहे है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के लिए लोगों को कर रही हैं जागरूक बिहार की बेटी सरिता

बेटियों की परवरिश से लेकर पठन-पाठन के लिए लोगों को करती हैं प्रेरित

आशीष कुमार झा(सहरसा)

बेटी बचाओ-बेटी पढाओ अभियान परवान चढ़ रहा है। पिछले कई वर्षों से स्कूल-कॉलेज ही नहीं लोगों के घरों तक जाकर टॉपर स्टडी पॉइंट उड़ान की संस्थापिका सरिता राय बेटियों की अहमियत व उनके पठन-पाठन के लिए जागरूक कर रही है। वे बेटियों की परवरिश से लेकर पठन-पाठन तक की व्यवस्था के लिए लोगों को प्रेरित कर रहीं हैं। बेटियों की तरफदारी में वे रात-दिन एक किए हुए हैं। उनके प्रयास का यह परिणाम निकला है कि उनकी कोशिश से कई लोग जागरूक हुए हैं। शुरू से ही बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के लिए लोगों को जागरूक करने वाली सरिता राय अब सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर लोगों को जागरूक कर रही है। साधनसेवी रहने के दौरान उन्होंने कई लड़कियों को टॉपर स्टडी पॉइंट उड़ान के माध्यम से साक्षर की और उन्हें साक्षर कर विद्यालयों में नामांकित कराई। सरिता राय ने बताया कि आज भी लोग बेटियों को बस साक्षर बनाने तक ही सोचते हैं। जबकि बेटियां किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है। बेटियों को पढ़ाने व आत्मनिर्भर बनाने के लिए जुड़ो-कराटे का प्रशिक्षण देने वाली सरिता राय कहती है कि प्रधानमंत्री द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से उन्हें विशेष प्रेरणा मिली और उनके सपने को एक राह मिल गया। बेटियां हैं तो सृष्टि है वो लोगों के घर-घर

जाकर यह बताती है कि बेटियां है तो सृष्टि है। बेटी नहीं चाहने वाले लोग बहू कहां से लाएंगे इसकी चिंता नहीं है। उन्होंने कही की बिहार में अब भी दहेज के कारण लोग बेटियां नहीं चाहते हैं। लेकिन अब समय बदला है। कई ऐसे लोग हैं जो दो बेटी होने पर परिवार नियोजन करा चुके हैं। इनके प्रयास से बेटे की आस में जिंदगी व्यतीत करने वाले कई लोग अब बेटियों की बदौलत ही भविष्य के सपनों को संजो रहे हैं। वे कई लोगों के घर जाकर उन्हें बेटियों के महत्व से अवगत कराया। सरिता राय कहती है कि गरीबी व अशिक्षा के कारण बिहार अब भी बहुत पिछड़ा हुआ है। यहां विशेष तौर पर कार्य करने की जरूरत है। सरकार की इस मुहिम का असर तो हुआ है लेकिन अब भी गर्ल्स स्कूल, कॉलेज की कमी है। वैसे अब समय व मानसिकता बदलने लगी है और लोग बेटियों को पढ़ाने लगे हैं। शिक्षित होना हर बच्चे का अधिकार है हमें शिक्षा को लेकर हमारा नजरिया बदलने की जरूरत है। आपको यहां बताते चले कि शिक्षा का बीड़ा उठाकर पिछले कई वर्षों से समाज के बच्चों को शिक्षित करने की मुहिम में जुटी है बिहार की बेटी सरिता राय। सरिता राय टॉपर स्टडी पॉइंट उड़ान के माध्यम से गरीब व शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षित करने के साथ-साथ संस्कारित भी कर रही हैं। सरिता राय का मानना है कि जब तक समाज का हर तबका शिक्षित नहीं होगा तब तक संपूर्ण विकास नहीं हो सकता है। वर्तमान समय में भी बच्चों को सही शिक्षा नहीं मिल पा रही है जिस कारण युवा शक्ति टकाव के मार्ग पर चलने लगती है। उन्होंने कही की बच्चों व युवाओं को योग व ध्यान से जोड़ने की जरूरत है जिससे युवाओं को एक नई दिशा मिल सकें। टॉपर स्टडी पॉइंट उड़ान कि संस्थापिका सरिता राय बच्चों को समय-समय पर पाठ्य पुस्तक सामग्री भी निःशुल्क मुहैया कराती हैं। प्रतिदिन नियमित रूप से बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने के साथ-साथ बच्चों को योग करने के लिए प्रेरित भी करती है। अबतक करीब हजारों की संख्या से अधिक बच्चों को शिक्षित कर उन्हें समाज के मुख्यधारा से जोड़ चुकी हैं। सरिता के हौसलों व जज्बों को लोग सलाम करते है और सरिता के द्वारा समाज के हितों में किए गए कार्यों को लेकर लोग

इन्हें मदर टेरेसा के नाम से पुकारने लगे हैं। इनके द्वारा समाज के उपेक्षित बच्चों को एक जगह एकत्रित कर उसे स्वध्याय से जोड़कर मनुष्य बनने की महत्ता से अवगत कराया जाता है और बच्चों के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच करायी जाती है। इनके साथ जुड़ने के बाद बच्चों में अध्यात्म के प्रति लगाव हो जाता है। आपको बता दें कि सरिता राय सामाजिक कार्यों के प्रति हमेशा सजग रही है। इनके द्वारा बिहार के कई जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, नारी सशक्तिकरण, बाल मजदूरी सहित कई गंभीर मुद्दों पर काम किया जा चुका है। ये समाजिक कार्यों में हर हमेशा मुस्तैद रहती है। सामाजिक कार्यों के बदौलत इन्हें कई पुरूस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। सरिता राय अपने पिता व माता को अपना प्रेरणास्त्रोत बताते हुए कही कि जीवन के अंतिम क्षण तक बच्चों को शिक्षित करना मेरा जीवन का ध्येय है। इस कार्य में परिवारवालों का भी निरंतर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कही की हम सभी अपने बच्चों को सबसे आगे देखना चाहते है पूरी कोशिश करते वो सबसे ज्यादा नंबर लाए बच्चों से ज्यादा अभिभावक परेशान रहते है मगर कभी समय निकाल के उन बच्चों के बारे में सोचिये जो अपनी घर की जिम्मेवारियों के वजह से बाल मजदूरी में फंसे रहते है हम सभी का ये फर्जे बनता है कि अगर एक बच्चे की भी शिक्षा में मदद कर पाए तो सही मायने में शिक्षित होने का दायित्व निभा पाएंगे। टॉपर स्टडी पॉइंट उड़ान के संस्थापिका सरिता राय ने कही की शिक्षा का महत्व हर इंसान अपनी-अपनी समझ के अनुसार आंकता है कोई इसे नौकरी पाने के लिए जरूरी समझता है तो कोई इसे ज्ञानवर्धन का जरिया मानता है। मगर मुझे लगता है सही मायने में शिक्षित वही है जो हर हाल में उसे अपना कर्तव्य समझकरे करे और वो भी ऐसे जिससे समाज का भला हो। उन्होंने कही की जो इस बात को समझ गया वो

शिक्षा का सही अर्थ समझ जाएगा और जब ऐसा होगा तभी शिक्षा से जुड़े हुए लोग और तंत्र शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक सुधार ला पाएंगे। शिक्षा की समझ और कर्तव्य का बोध हम सभी को होना चाहिए। उन्होंने बताया कि आज बिहार की शिक्षा व्यवस्था निम्नन्त स्तर पर पहुच चुका है इनमें सुधार लाने की जरूरत है। बोर्ड में घोटाला, संस्थानों पर आयकर के छापे, गरीबी के नाम पर ठगी, बिहार की धरती निश्चित ही ग्लानि में डूब गई होगी, ज्ञान की धरती नालंदा सोच में होगी कि क्या दृश्य बन गया है जो शिक्षा दान की वस्तु थी वो व्यापार का मुख्य साधन बन गई है। गलती आमजन की है सरकार की है। समझ नही आता इतने बड़े-बड़े भवन कैसे बन जाते है कई-कई एकड़ में आज कल निजी संस्था ऐसे फैले हैं जैसे कोई राजशाही कुनबा हो। टॉपर स्टडी पॉइंट उड़ान कि संस्थापिका सरिता राय ने कही की काले धन को सफेद बनाते ये संस्था क्या खाक नैतिकता को जन्म देंगे। इनमे डोनेशन पर आए छात्र क्या जीवन भर ईमानदारी कर पाएंगे? और हम बात करते हैं देश बनाने की मुल्क तो तब बनेगा न जब शिक्षा व्यवस्था ठीक होगी यहां तो वही चरमरा गई है अंग्रेजो ने बबार्दी का जो ढरा पकड़ा दिया बस उसी पर अंधी रेस जारी है। अभी तो ये कुछ नही अभी भी सरकार और आमजन नही समझे तो शिक्षा निम्नता के उस स्तर पर पहुच जायेगी जो सिर्फ और सिर्फ करप्शन को जन्म देगी। कालाबाजारी का संरक्षण करेगी, ठगी का जरिया बनेगी और इनके शिकार होंगे अपनी जमीन बेंच तक कर बच्चों को पढ़ा लिखवा कर "बाबू" बनाने का सपना पाले भोले भाले आमजन। उन्होंने कही की कोटा, दिल्ली, बंगलोर या कोई शैक्षिक हब हो संभाल बिहार ने ही रखा है बिहार ही पूरा पैसा शिक्षा पर झोंक देने की सोच रखता है। पर क्या सिर्फ पैसा ही रास्ता है नही इसने तो रास्ते भटका दिए हैं। आज बिहार के साथ ही देश की शिक्षा व्यवस्था ठीक नही है सुधार ही नही बहुत गहन विचार, मंथन, चिंतन और बदलाव की जरूरत है। तब विश्व गुरु बनने के बारे में बात हो सकेगी तब देशे बच सकेगा और देश आगे बढ़ सकेगा।

बेगूसराय की घटना मॉबलिंचिग या गैंगवार

बिरेश कुमार

बेगूसराय जिले छौड़ाही ओपी क्षेत्र के नारायणपीपड़ गांव में तीन बदमाशों की पीट पीट कर हत्या की घटना मोबलिंचिंग है या गैंगवार यह तो पुलिस के लिए जांच का विषय बना हुआ है। चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव निवासी कुख्यात बदमाश मुकेश महतो उसके पड़ोसी श्याम सिंह उर्फ धौना और रोसड़ा थाना क्षेत्र के हीरा सिंह की हत्या पीट पीट कर कर दी गई है। यह घटना नारायण पीपड़ गांव में दिनदहाड़े हुई इन तीनों मृतक के बारे में सारे लोगों की अलग अलग राय है। कुंभी गांव के लोगा मुकेश महतो के बारे में कुछ कहने से परहेज कर रहे हैं। शायद उसकी आपराधिक छवि को लेकर जेल में बंद कुख्यात नागमणि महतो के खौफ का असर है। वहीं अपने ग्रामीण धौना सिंह के बारे में लोगों का कहना है कि वह गरीब परिवार का साधारण किसान था और किसी भी थाने में उसके विरूद्ध कोई मुकदमा दर्ज नहीं है। मुकेश महतो और हीरा सिंह के साथ रहने के कारण लोगों ने उसे भी मौत के घात उतार दिया। हीरा सिंह पर भी छोटे मोटे अपराध में संलिप्त होने का मामला दर्ज है। इन तीनों बदमाशों की पीट पीटकर हत्या किये जाने की घटना में अलग अलग बातें सामने आ रही हैं। प्राथमिक विद्यालय गोदियाड़ी नारायणपीपड़ की पंचम वर्ग की छात्रा नवीना कुमारी के अपहरण का विरोध करने के कारण यह हत्या कांड हुआ या उस छात्रा की खोज करने विद्यालय पहुंचे इन बदमाशों ने स्कूल के

प्रधानाध्यापिका को कनपटी में पिस्तौल सटाकर छात्रा के विषय में जानकारी मांगना यह तो पुलिया जांच का विषय है। नारायणपीपड़ गांव में हो रहे निर्माण कार्य में ठेकेदार से लेबी मांगने के क्रम में ऐसी घटना होने की बात बतायी जा रही है। मामला चाहे जो भी हो इस संदर्भ में आरक्षी अधीक्षक आदित्य कुमार का कहना है कि किसी की हत्या करने की इजाजत नहीं दी जा सकती थी। सोशल मीडिया के जड़ में दोषी लोगों को चिह्नित कर कारवाई की जायेगी। नारायणपीपड़ गांव में पुलिस पिकेट स्थापित कर लोगों के बीच वातावरण सामान्य बनाया जा रहा है। अपने गांव के दो युवक की निर्मम हत से कभी गांव के लोगों में आक्रोषित है बला लेने की घटना से दनकार नहीं किया जा सकता है। ऐसे लोगों का कहना है कि खाजहांपुर चौक एवं गुवावाड़ी पथ के शून्यशान जगहों पर अपराधिक घटना का अंजाम देने वाले बदमाशों में इन तीनों बदमाशों को मरवाकर अपने रास्ते का कांटा साफ कर दिया। नारायणपीपड़ की घटना से क्षेत्र के आमलोगों में दहशत व्याप्त है। निकट भविष्य में आपराधिक गुटों की टकराने से इंनकार नहीं किया जा सकता है। छौड़ाही ओपी अध्यक्ष अमित कुमार और चेरिया बरियारपुर थानाध्यक्ष रंजीत रजक का कहना है कि स्थिति पर पुलिस की नजर है जरूरत पड़ने पर उचित कारवाई की जायेगी। साथ साथ बीच बीच में मंझोल डीएसपी सूर्यदेव कुमार द्वारा पेट्रोलिंग गश्ती बढ़ा दी गयी है।

डॉ रंगनाथ दिवाकर ने अंजू दास की कविताओं की सराहना की

किछु देखल किछु सुनल-गुनल ,
अनुभव सहेजि कर आयल छी ।
कविता रूपी माला गूँथि माँ ,
खोंइछ भरय हम आयल छी ।
पुस्तक सँ

१६ सितम्बर २०१८ को सिटी सेन्ट्रल स्कूल, समस्तीपुर के सभागार में मिथिला भारती के तत्वाधान में पूर्व प्रोफ. एवं के. स. आर. कॉलेज के मैथिली विभाग प्रमुख अंजू दास रचित मैथिलि कविता संग्रह खोइंछ का लोकार्पण किया गया। लोकार्पणकर्ता डा. नरेश कुमार विकल, मुख्य अतिथि मुजफ्फरपुर के अपर जिला दण्डाधिकारी डॉ रंगनाथ दिवाकर, विशिष्ट अतिथि डॉ. योगेंद्र पोद्दार एवं अमलेंदु शेखर पाठक ने पुस्तक का विमोचन किया। समारोह की अध्यक्षता डॉ. रामपुनीत

ठाकुर तरुण ने किया। पुस्तक के लेखन की पृष्ठभूमि और अपने अनुभवों की चर्चा करते हुए दण्डाधिकारी डॉ रंगनाथ दिवाकर ने अंजू दास की कविताओं की सराहना करते हुए कहा कि ये पुस्तक आगामी महिला साहित्यकारों के लिए भी उत्साहवर्धक रहेगा। पुस्तक में ऋतू वर्णन समेत टाइटैनिक, कृषकक वंदना, एवं अन्य सामाजिक, राजनितिक व वैयक्तिक स्तर के समस्याओं को अक्षुण्ण तरीके निरूपित किया गया है पुस्तक को यथाशीघ्र अमेजन और फ्लिपकार्ट ई-बाजार पर भी प्रमोचित किया जाएगा।

लोकर्पणकर्ता डॉ. नरेश कुमार विकल ने अपने उद्बोधन में पुस्तक पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पुस्तक में अंजू दस जी के प्रेरक अनुभूतियों का सम्प्रेषण हुआ है। पुस्तक में कवित्री के ह्रदय की मानवीय संवेदना, करुणा, सहानुभूति और आस्था की साफ झलक मिलती है ।

कार्यक्रम में अजीत कुमार सिंह, आचार्य परमानन्द प्रभाकर, शिवेंद्र कुमार पांडेय, डॉ. अशोक कुमार सिन्हा, डॉ. रामसूरत दास, प्रोफ. चिरंजीव कुमार दास, पंकज कुमार देव, भुवनेश्वर मिश्रा, रेखा पोद्दार, आदि भी उपस्थित थे।

मक्का के उन्नत फसल की पैदावार को लेकर एक सेमिनार का आयोजन

15 अक्टूबर के बाद मक्के की खेती करें किसान : जीएम

मृत्युंजय कुमार ठाकुर

शहर के एक होटल में मक्का के उन्नत फसल की पैदावार को लेकर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। आयोजित सेमिनार में क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड जो कीटनाशक बनाने वाली पांच कम्पनियों में से एक है वे अपने उत्पाद मक्के की प्रजाति आरएम एच 333 और आरएमएच 117 के बारे में विक्रेताओं को अवगत कराया। कंपनी के जीएम पंकज बोरा ने कहा कि उनकी कंपनी नीदरलैंड की जीन कम्पनी के साथ समझौता कर उन्नत बीज बनाने में अग्रणी भूमिका निभाया है। इस तरह बहुराष्ट्रीय कंपनी सीजेन्टा के उन्नत चारे एसएस 17 तथा डेयरी ग्रीन के व्यपार में भी अच्छा कदम रखा है जो दुग्ध उत्पादन के क्षमता को बढ़ाने में लाभदायक साबित होगा। कम्पनी के जेनरल मैनेजर मार्केटिंग महेन्द्र सिंह रावत ने जिंक सुपर 14 के बारे में लोगों को विस्तार से बताया। वहीं क्रिस्टोरईजा जो एक जैविक खाद है उस संबंध में भी विस्तार से चर्चा किया गया। उन्होंने कहा कि इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य यही है आने वाले रब्बी मक्का का समय है और यह कम्पनी दवा के साथ साथ बीज का भी बड़ा कारोबार कर रही है । बिहार में मक्का का बहुत बड़ा क्षेत्र है। हमारी कंपनी नये नये प्रयोग कर रही है । पिछले अप्रैल में सीजेन्टा कम्पनी चारा बाजरा के व्यपार को क्रिस्टल कम्पनी को खरीद लिया है। बिहार में हम बहुत जल्द चारा को लाने जा रहे है। किसानों को जिंक से कैसे फायदा होगा यह भी बताया गया है। हमने विक्रेताओं को अपने नये टेक्नोलॉजी को बताया है। उन्होंने ने बताया कि 15 अक्टूबर के बाद मक्के की खेती का सीजन होता है और उपयुक्त समय भी। दाने बनने के समय अगर ज्यादा ठंड पड़ जाता है तो उसमें दाना नही बनने देता है।हमारी कम्पनी विशेष ध्यान दे रही है और किसानों को प्रशिक्षण दे रही है कि मक्के की खेती किस समय करें और कैसे करें। इस अवसर पर पंकज सिंह बोरा, महेंद्र सिंह रावत और अमित सिंह रीजनल मैनेजर ने आगत डीलरों का स्वागत किया

पूर्वांचल मोर्चा शाहदरा जिला के जिला अध्यक्ष बने:अमरेंद्र शर्मा

पूर्वांचल मोर्चा के द्वारा 23 सितंबर को रामलीला मैदान में पूर्वांचल महाकुंभ का आयोजन किया गया था,जो महाकुंभ दिल्ली के रामलीला मैदान में इतिहास रच दिया,इससे पहले आज तक रामलीला मैदान में इतनी भीड़ कभी नही देखी गयी,पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष मनीष सिंह ने अपने टीम के साथ इस रैली को ऐतिहासिक बना दिया, सारे कार्यकर्ता से ले के पदाधिकारी तक दिन रात कर के रैली को सफल बना दिये,दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सह सासंद श्री मनोज तिवारी जी और पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष मनीष सिंह के नेतृत्व को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी ने जमकर तारीफ किये,और पूर्वांचल वासियों से अपील भी किये की आपके बिना दिल्ली और देश का विकास संभव नही है।पूर्वांचल मोर्चा के कार्यकताओं की मेहनत को देखते हुए ,और ऐतिहासिक रैली को सफल बनने पे मनीष सिंह ने अमरेंद्र शर्मा के मेहनत को देखते हुए उन्हें भाजपा शाहदरा जिला पूर्वांचल मोर्चा का जिला अध्यक्ष बनाया गया,श्री शर्मा ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है उसे अपनी मेहनत से करूँगा,और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सह सासंद मनोज तिवारी जी और पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष मनीष सिंह को धन्यवाद देता हूं।साथ ही उनके द्वारा दिये गए जिम्मेदारी को सफलता पूर्वक ईमानदारी से करता रहूंगा।

मिथिला विश्वविद्यालय में फर्जीवाड़ा उजागर, भाजपा के नगर विधायक संजय सरावगी ने किया खुलासा

जाहिद अनवर (राजु) / दरभंगा

दरभंगा--देश मे घोटाले कम थे क्या की अब विश्वविद्यालय में फजीर्वाड़ा की बात सामने आने लगी। राज्य सरकार ने सरकारी कार्यालयों में की जाने वाली खरीदारी में पारदर्शिता बरतने के साथ-साथ वित्तीय अनियमितता को रोकने के लिए जेम पोर्टल पर खरीदारी का आदेश जारी किया था। जेम पोर्टल का उद्घाटन भी राज्य के उप-मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने किया था। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के कार्यक्रम के तहत था जिसको लेकर सभी विभागों को इसी पोर्टल के माध्यम से खरीदारी करने का आदेश दिया था। वहीं कुलाधिपति कार्यालय ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को बार-बार चिट्ठी भेज कर जेम पोर्टल के माध्यम से ही हर हाल में खरीदारी सुनिश्चित करने का आदेश दिया था लेकिन ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में खरीदारी के मामले में न तो राज्य सरकार और न ही राज भवन के आदेश का खयाल रखा गया। जो तथ्य उभर कर सामने आयें हैं उसमें कानून के आंख में धूल झोंकने का मामला सामने आ गया।

सामानों की खरीद तो जेम पोर्टल पर किया नहीं जाता लेकिन कागज पर जेम पोर्टल दिखाया जाता है। इस बात का खुलासा गुरूवार को सिंडिकेट की बैठक में हुआ जब भाजपा विधायक सह सिंडिकेट सदस्य संजय सरावगी ने प्रश्न पूछ दिया कि मार्च के बाद से अब तक जेम पोर्टल के माध्यम से कितनी खरीदारी हुई है या नहीं हुई है, तो क्यों? इस संबंध में सबसे हास्यास्पद स्थिति तब हो गई जब वित्त पदाधिकारी ने जबाव में कहा कि बहुत खरीदारी हुई है और सभी जेम पोर्टल के माध्यम से हुई है। विधायक सरावगी ने जब सबूत मांगा तो विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल निशीथ कुमार राय ने वित्त पदाधिकारी के

बयान को गलत करार दिया और कहा कि जेम पोर्टल पर अभी तक एक भी खरीदारी नहीं हुई है। जिसके बाद इस मामले में जांच की बात हुई और आश्वस्त किया गया कि अब सभी खरीदारी जेम पोर्टल से ही होगी लेकिन जब अधिकारियों को बिना जेम पोर्टल के खरीद का लत पर गया हो तो वे कहां चूकने वाले हैं। सिंडिकेट की बैठक के बाद भी विकास पदाधिकारी के यहां से बिना पोर्टल के ही खरीदारी कर ली गई। आरोप है कि वास्तविक मूल्य से दूनी कीमत पर खरीदारी की गई है। इधर विधायक सरावगी ने पूछने पर बताया कि हर कीमत पर सरकारी नियम के तहत जेम पोर्टल से विश्वविद्यालय को खरीदारी करनी होगी और की गई खरीदारी की जांच होगी और जबावदेह अधिकरी पर कारवाई भी होगी।

कुएं से निकला एके-47 का जखीरा, देखकर मची सनसनी

मुंगेर में एक बार फिर पुलिस ने एके 47 रायफल का जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने बरदह और तौफीर गांव के बीच बहियार में स्थित एक कुएं से 12 एके 47 रायफल बरामद किया है। पुलिस को यह कामयाबी हजारीबाग से तौफीर आलम की गिरफ्तारी के बाद मिली। उसकी निशानदेही पर एसपी बाबू राम के नेतृत्व में एएसपी अभियान राणा नवीन सिंह और एएसपी हरिशंकर ने रात भर छापामारी कर 12 एके 47 रायफल बरामद कर लिया। एके 47 की बरामदगी की पुष्टि करते हुए एसपी बाबू राम ने कहा कि 29 अगस्त को मोहम्मद इमरान को जमालपुर पुलिस ने तीन एके 47 रायफल के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद से पुलिस तस्करी को लेकर लाए गए एके 47 रायफल की बरामदगी को लेकर लगातार छापामारी कर रही थी। बाद में मोहम्मद शमशेर और इमरान की बहन रिजवाना को पुलिस ने तीन एके 47 रायफल के साथ बरदह गांव से गिरफ्तार किया था। जबलपुर आर्डिनेंस डिपो से तस्करी कर 60 से 70 एके 47 रायफल मुंगेर आने की बात सामने आई थी। इस जानकारी के बाद से पुलिस लगातार तस्करी कर लाए गए एके 47 की बरामदगी को लेकर प्रयासरत थी। बाद में मोहम्मद शमशेर को पुलिस रिमांड पर लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के बाद आमना

खातून के घर के पीछे जमीन के नीचे गाड़ कर रखा गया दो एके 47 रायफल बरामद किया गया। वहीं, छापामारी के दौरान मोहम्मद एजाजुल, मोहम्मद भुट्टो के घर से दो डीबीएल बंदूक मिला। इसी दौरान पुलिस को हथियार तस्कर मु. मंजीत उर्फ मंजी की भूमिका के बारे में सूचना मिली। पुलिस मंजीत की टोह में लगी ही थी कि यह सूचना मिली कि बरदह गांव में मोहम्मद एजाजुल हक का पुत्र तौफीर कारतूस से भरा पालिथिन शमशेर के घर फेंक कर भाग गया है। पालिथीन से पुलिस ने एके 47, इंसास, एसएलआर आदि की गोलियां बरामद की थी। इसके बाद पुलिस के टारगेट पर तौफीर भी आ गया था। एएसपी अभियान राणा नवीन सिंह के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम ने हजारीबाग से तौफीर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद तौफीर ने पुलिस को एके 47 की तस्करी के बारे में अहम जानकारियां दी। तौफीर ने ही पुलिस को यह जानकारी दी कि बरदह और तौफीर के बीच बहियार में बने कुएं में कई एके 47 रायफल छुपा कर रखा गया है। इसी जानकारी के आधार पर पुलिस की टीम ने गुरुवार की देर रात छापामारी कर 12 एके 47 रायफल बरामद कर लिया।

समस्तीपुर की पहली महिला एसपी बनीं हरप्रीत कौर

समस्तीपुर के 42 वें और पहली महिला आईपीएस हरप्रीत कौर ने बतौर पुलिस अधीक्षक आज पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर सर्वप्रथम जिला अतिथि गृह में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद हरप्रीत कौर पुलिस कार्यालय पहुँच अधिकारियों से मिलकर जिले की स्थिति की जानकारी ली। बाद में मिडिया से बातचीत के दौरान पुलिस अधीक्षक हरप्रीत कौर ने कहा की क्राइम कंट्रोल हमेशा से प्रायोटि रहा है इसके लिए क्यूआरटी का गठन किया जायेगा। बैंक ,पेट्रोल पंप ,और फाइनेंस कंपनी पर विशेष नजर रहेगी। महिलाओं की सुरक्षा ,शराबबंदी को और प्रभावशाली तरीके से लागु करने के लिए माफियाओं और पुराने कारोबारियों पर कारवाई की जाएगी। साथ ही आम लोगों से अपील की है की अगर किसी भी तरह की कोई सुचना हो तो उसे अवश्य दे। वही उनके तबादले को लेकर राजनितिक गलियारों में उठ रहे सवाल पर कहा की इसपर वो किसी भी तरह की टिपण्णी नहीं कर सकती है। एक अधिकारी के तौर पर जो भी जगह मिलेगी वो वंहा काम करेंगी।

हरप्रीत कौर की शादी बिहार कैडर के ही आईपीएस अधिकारी मानवजीत सिंह ढिल्लो से हुई है। आपको बता दें कि अपनी ट्रेनिंग के दौरान दोनों एक साथ ही थे। मानवजीत सिंह ढिल्लो और हरप्रीत कौर ने वर्ष 2011 के अक्टूबर माह में शादी की थी।

आइपीएस अधिकारी हरप्रीत कौर को लोग कड़क पुलिस ऑफिसर के रूप में जानते हैं। अपराधी इनके नाम से ही खौफ खाते हैं। किसी भी हालत में कानून का राज कायम रखने को संकल्पित और शराबबंदी में अहम भूमिका निभाने के लिए राज्य सरकार उत्पाद पदक से भी नवाज चुकी हैं। एसपी हरप्रीत कौर अपने कामों से लगातार सुर्खियों बनी रहती हैं। उग्रवादियों और अपराधियों को सबक सिखाने वाली लेडी सिंघम के नाम से चर्चित एसपी हरप्रीत कौर को आंतरिक सुरक्षा

पदक से सम्मानित किया जा चूका है यह सम्मान किसी आईपीएस को तब मिलता है जब वह दो वर्ष से अधिक समय तक नक्सल क्षेत्र में रहकर शान्ति व्यवस्था कायम रख सकें।

अब देखना है कि अपने काम की शैली से सिंघम की पहचान बना चुकी हरप्रीत कौर उस समस्तीपुर को कितना बदल पाती है जो अपराध और शराब माफियायो के गढ़ के रूप में जानी जाती है। गत वर्षों में अपराध के क्षेत्र में अपनी पहचान कायम कर चुके इस जिले में बढ़ रही अपराधिक वारदातों ने अमन पसंद लोगों को माथे बल सोचने पर मजबूर कर दिया है। ऐसे में अपराधियों व शराब माफियाओं पर दबिश बनाना हरप्रीत के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है।

सरकारी योजना का लाभ आमजनों तक पहुंचाने हेतु मंत्री ने अधिकारियों को दिया सख्त निर्देश

राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)

सूवे के भूमि सुधार एव राजस्व मंत्री रामनारायण मंडल ने जिलाअतिथि गृह मे पिछले दिनो बिभिन्न बिभागो केअधिकारियो के साथ समीक्षात्मक बैठक की. बैठक मे मूख्य रूप से जिलाधिकारी कुंदन कुमार एव पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार मूख्य रूप से उपस्थित थे.बैठक मे मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही बिभिन्न लाभकारी योजनाओ का लाभ हर ब्यक्ति तक पहुंचना चाहिए. इसमें कोई कोताही नही बरती जाय .उन्होने अधिकारीयो को शक्त निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीण बिकास बिभाग केअन्तर्गत मूख्यमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत चयनित सडकों के र्निमाण कार्य मे तेजी लाए ताकि स समय ये सभी सडको का र्निमाण कार्य पूरा किया जा सके. उन्होने आगे कहा कि आयुष्मान भारत के लाभार्थियोंएवं बीमार मरीजो को इसका समय पर लाभ मिलनी चाहिए.इसे पूरी तरह सुनिश्चित करे कि ताकि लोग इसका पूरा लाभ ले सके. इसके लिए उन्होने सिविल सर्जन को भी विशेष दिशा र्निदेश दिए. मंत्री नेआगे कहा कि प्रत्येक कल्याणकारी योजना की परिकल्पना को साकार करने के लिए आम जन तक इसका लाभ पहुंचे इसकी जिम्मेदारी का वहन सभी तकनीकि पदाधिकाकियो को करना है.इसमें किसी भी तरह की कोताही या लापरवाही किसी भी कीमक पर बर्दासित नही की जाएगी.इसअवसर पर ग्रामीण कार्य बिभाग, बिद्युत बिभाग भवन र्निमाण बिभाग, सिंचाई बिभाग सहित अन्य बिभाग के अधिकारी गण उपस्थित थे.

साधन और संसाधन विहिन इस गांव के लोग जी रहे बद से बदतर जिदंगी : यहां सरकारी योजना टॉय-टॉय फिस

आमोद कुमार दुबे

प्रखण्डे के गौरीपुर पंचायत में आदिवासी बहुल गांव जिसको नाम तो आजादनगर है। पर इस गांव में आजादी की कोई झलक दिखाई नही देता है। यहाँ बसने वाले सभी परिवार चारो तरफ जंगलो से घिरा होने के कारण इनलोगो को दतवन, पत्तल ,लकड़ी ओर शराब बनाकर किसी प्रकार अपना पेट पालते है।यहां के हर महिला और पुरुष को सरकार द्वारा जाँब कार्ड उपलब्ध कराया गया है। पर किसी को काम नही मिलता है। इसलिए यहाँ की महिलाएं ईट भठ्ठे पर भी काम कर अपना पेट पालती है। यहाँ के कुल 60 परिवार में एकाध के पास टूटा फूटा शौचालय है।जबकि किसी के पास पक्के का मकान नही है। जिससे जंगल के पत्ते से घर बनाकर लोग काफी असुरक्षित रूप से रहते है।इस गांव में पुझार जाति के सबसे अधिक परिवार निवास करते है।इस गांव के बगल में रेलवे लाइन गुजरने के बाबजूद यहाँ तक आने जाने का कोई रास्ता नही है।इस गांव में आजतक बिजली नही आई है।

जिस कारण यहाँ के निवासी शाम ढलते ही अपने घरो में दुबक जाते है।और किसी अनहोनी के डर से रात में बाहर नही निकलते है। इस गांव में आने जाने के लिए कोई रास्ता नही है। बर्षा के दिनों में गांव पहुँचना काफी मुश्किल होता है। इस गांव में एक मात्र चापानल है जो अधिकतर खराब रहने के कारण लोगो को नदी या पोखर का पानी पीना पड़ता है।इस कारण यहाँ हर बर्ष डायरिया से एकाध की मौत निश्चित होती है।यहाँ के लोगो की समस्या सुनने का किसी पदाधिकारी ने प्रयास तक नही किया गया है। इस गांव की गरीबी इतनी बिकट है कि कुछ परिवार भूखमरी से बचने के लिए शराब भी बनाता है।हाल ही में यहाँ गरीबी से एक व्यक्ति ने आत्महत्या तक कर लिया था।यहाँ के ग्रामीण बच्चे पढाई के नाम पर सुअर चराने का काम करते है।पर हाल के दिनों में जुगड़ी प्राथमिक विद्यालय के एक शिक्षक के प्रयास से कुछ बच्चों ने विद्यालय जाना शुरू किया है। इस गांव की समस्या पर स्थानीय मुखिया संयुक्ता देवी ने बताया कि जबतक मनरेगा के काम मिलता था सभी से मजदूरी कराई जाती थी।पर अब पूरी तरह बंद है।फिर भी हर तरह की योजना का लाभ गरीब से गरीब लोगों को दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।वही प्रखण्ड विकास पदाधिकारी दुगार्शंकर ने बताया कि गांव की वर्तमान स्थिति की जानकारी लिखकर सरकारी लाभ गांव तक पहुँचाने का काम जल्दी ही शुरू किया जाएगा।

बांका में कोल ब्लॉक की मंजूरी से समृद्ध होगा सम्पूर्ण जिला

राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)

बांका जिला खनिज सम्पदाओ सेभरा है इसजिले की भौगौलिक संरचना एवं प्राकृतिक संम्पदा असीम संभावनाओ के द्योतक है.एक ओर जहां मंदार पर्वत क्षेत्र अपने गर्भ मे कई अनमोल एवं ऐतिहासिक तत्व एवं तथ्य को संजोये हुए है.भूर्ग शास्त्री निरंतर पौराणिक तत्वो की खोज कर रहे हैं.कुछ हद तक इसमे सफलताभी मिली है.

इसी क्रम में बांका जिले के मंदार पर्वत एवं बौंसी क्षेत्र अन्तर्गत के क्षेत्रो मे कोयले का विशाल भंडारन होने की संभावना को मद्दे नजर बांका और भागलपुर मे कोल ब्लॉक की मंजूरी प्राप्त हो गई है. कोल ब्लॉक के लिए २०१२ मे बी.सी.सी.एल,और सी.एम.पी..डी.आई की संयुक्त केन्द्रीय टीम ने बिहार के मंदार पर्वत बौंसी,पीरपैती,बाराहाट,केअलावे झारखंड के गोड्डा जिले केमहरमा एवंइसी प्रखंड के मिंजा गाँव एवं पुलियाउत्तरी इलाको का सर्वे कर चुकी है.जीएसआई केभूर्ग बैगानिकों की टीम ने २०१२ मे ही सर्वे कर रही थी.इनकेअनुसार इलाके के २४० गाँव विस्थापित होगें.लगभग ६०% खनन क्षेत्र बिहार मे पडेगा. बीसीसीएल की बैठक में बिगत दिनो पावर प्लांटो के लिए दिये जाने बाले कोकिंग कोल की कीमत में १४% की बृद्धी की मंजूरी दी गई है.बोड ने एक ओर जहां राजमहल कोयला क्षेत्र मे बी सी सीएल को मिले तीन कोल ब्लॉक मे खनन प्रकिया प्रारंभ करने की मंजूरी दी है.बही मंदार पर्वत क्षेत्र केमे भी आगे की प्रकिया शुरू करने की भी मंजरी मिल चुकी है. इसकोल ब्लॉक की मंजरी सेएक ओर जहा जिले मे आर्थिक समृद्धिआएगी बही दूसरीओर रोजगार के भी अवसर बढेगें.

भुत बंगला बन गया निरीक्षण भवन

आमोद कु.दूवे

26 फरवरी 1984 को तत्कालीन बिहार के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर सिंह द्वारा चांदन में नवनिर्मित निरीक्षण भवन का उद्घाटन किया गया था। उस वक्त बिहार और झारखंड का बंटवारा नहीं हुआ था और बांका जिला का कोई अस्तित्व नहीं था और यह भागलपुर जिला में जाना जाता था। जसीडीह से भागलपुर के बीच चंद्रशेखर सिंह का पहला पड़ाव हमेशा चांदन ही हुआ करता था ।क्योंकि यहां के कांग्रेसी कार्यकताओं से उनका संपर्क बहुत अच्छा होने के कारण उन्हें किसी स्कूल में या किसी के घर पर कार्यकताओं की बैठक करनी पड़ती थी। इसलिए उन्होंने यहां निरीक्षण भवन का निर्माण करवाया ।

उस वक्त बांका और देवघर के बीच चांदन का निरीक्षण भवन सबसे अच्छा निरीक्षण भवन माना जाता था। जहां बड़े-बड़े नेताओं से लेकर बड़े-बड़े पदाधिकारी का ठहराव होता था।क्योंकि यहाँ सारी सुविधाएं उपलब्ध थी।

लेकिन आज की स्थिति में यह निरीक्षण भवन भूत बंगला बनकर रह गया है। पूरे निरीक्षण भवन जर्जर अवस्था में आ पहुंचा है । इतना ही नहीं निरीक्षण भवन के चारों ओर जंगल झाड़ी उग आए हैं। और यहां ना तो बिजली है, नहीं पानी की सुविधा, न ही कुर्सी और पलंग ,जिस पर कभी मुख्यमंत्री विराजमान होते थे। इसकी देखरेख करने वाला भी इन दिनों कोई नहीं रहने के कारण इस निरीक्षण भवन में हमेशा पशुओं या कुत्ते का जमावड़ा लगा रहता है। यहां के जिला परिषद सदस्य भी साल में सिर्फ 2 दिन झंडोत्तोलन के लिए यहां आती हैं। उसके बाद फिर इसको देखने वाला कोई नहीं होता है।निर्माण के बाद से आज तक इसकी चारदीवारी की मांग होती रही, लेकिन इसकी चाहरदीवारी न बनी, और अब तो भवन भी इतनी जर्जर हो गई है कि यहां रहने वाले को भी डर लगता है ।जबकि अभी भी यहां आने वाले पदाधिकारी और नेतागण निरीक्षण भवन रहने के बावजूद दूसरे भवन में बैठकर कार्यक्रम करते हैं और नई नई योजना बनाते हैं ।लेकिन किसी का भी ध्यान इस जर्जर निरीक्षण भवन पर नहीं है।

जन आंदोलन से ही देश से दूर होगा कुपोषण : एस.डी.एम.

हेमन्त कुमार बाराहाट

देश में बच्चों किशोरी एवं महिलाओ मे पाए जाने वाले कुपोषण का गिरता हुआ ग्राफ काफी चिंता का विषय बना हुआ है।

इससे देश के प्रधानमंत्री भी काफी दुखी हैं जिसको लेकर बीते आठ मार्च से ही देश के प्रधानमंत्री के द्वारा राष्ट्रीय पोषण मिशन का शुभारंभ किया गया है जो उत्तरोत्तर अपने कामयाब रास्ते पर बढ़ता जा रहा है इसी कड़ी में सितंबर माह कुपोषण महा के रुप में मनाया जा रहा है इस अभियान से जुड़कर सरकारी कर्मियों को गांव गांव पहुंचाना है तभी मिशन सफल हो पाएगा उक्त बातें गुरुवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय में आयोजित राष्ट्रीय पोषण मिशन कार्यक्रम के दौरान एसडीएम मनोज कुमार ने कही इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत में बाल विकास परियोजना अधिकारी विभा कुमारी के द्वारा एसडीएम मनोज कुमार प्रखंड प्रमुख खुशबू कुमारी प्रखंड विकास पदाधिकारी शशि भूषण साहू पदाधिकारी डॉक्टर उदय शंकर झा पूर्व प्रखंड प्रमुख राजेश यादव प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को ओके देकर उनका स्वागत किया इस मौके पर बालिका परियोजना पदाधिकारी ने अपने सहकर्मियों को अपने पोषक क्षेत्र में इस मिशन को संचालित करने हेतु सघन रुप से लोगों तक पहुंच कर उन्हें जागरुक करने के लिए दिशा निर्देश दिए इसके लिए सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं से अपने पोषक क्षेत्र में प्रभात फेरी निकालने सहीत प्रतिभागियों के चयन करके उनके बीच कुपोषण विषय पर परिचर्चा आयोजित करने का भी निर्देश जारी किया मौके पर मिशन के सफल संचारण को लेकर पप्रखंड समन्वय समिति का गठन किया गया जिसमे एसडीएम अध्यक्ष उपाध्यक्ष के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में सदस्य बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सदस्य प्रखंड प्रमुख सदस्य के रूप में शामिल किया गया है मौके पर महिला परिवेक्षक कुसुम भारती सुपप्रि आंगनबाड़ी सेविका पुष्पा कुमारी सविता कुमारी कामिनी माला कंचन कुमारी किरण कुमारी रश्मि कुमारी साहित्य न लो मजे थे।

पंचायतो में दंबगई का आलम: स्थानीय प्रसाशन मौन

वार्ड पति की दबंगई प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों से जबरदस्ती 10 10 हजार वसूले

पैसे नहीं देने पर गाली गलौज व अगली किस्त के भुगतान पर रोक की दी धमकी

हेमन्त कुमार/बाराहाट

हर वक्त सुर्खियों में रहने वाला प्रखंड का सोनडीहा उत्तरी पंचायत हाल के दिनों में वार्ड पति की करतूत की वजह से एक बार फिर चर्चा में बना हुआ है चर्चा में वार्ड नंबर एक के वार्ड सदस्य गीता देवी के पति अनिल सिंह इन दिनों प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों से जोर जबरदस्ती पैसे की उगाही कर रहे हैं वार्ड पति के इस करतूत से गुस्साए ग्रामीणों ने सोमवार को देर शाम दर्जनों ग्रामीणों ने बाराहाट थाना पहुंचकर वार्ड पति के खिलाफ शिकायत की जिसमे वार्ड पति के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में जबरदस्ती 10000 रुपया लिए जाने की बात कही गई है यहां तक कि लाभुकों का आरोप है कि वार्ड पति के द्वारा इस पैसे की अलावे और 10000 रुपया की और मांग की जा रही है नहीं दिए जाने पर प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किस्त का भुगतान रुकवा देने की धमकी दी जा रही है मामले को लेकर पूरे गांव में वार्ड पति के खिलाफ आक्रोश गहराता जा रहा है गांव की दुर्गावती देवी ने बताया कि उनके नाम से प्रधानमंत्री आवास योजना स्वीकृत हुई है जिसकी पहली किस्त के रूप में उन्हें 50000 रुपया का लाभ मिला था लेकिन वार्ड सदस्य गीता देवी के पति अनिल सिंह के द्वारा ग्राहक सेवा केंद्र संचालक को बुलाकर उनसे मशीन पर टिप दिलवाकर 10000 रुपया निकाल लिए साथ ही 10000 रुपया और मांगा जा रहा है नहीं दिए जाने पर योजना मद मे दूसरी किस्त का भुगतान रोक दिया जाने की धमकी दी जा रही है वह इसी गांव की मुन्नी देवी का कहना है कि अनिल सिंह ने योजना मद में मिली राशि से 10000 रुपया डरा धमका कर उससे ले लिए साथ ही अगली किस्त के भुगतान के लिए 10000 और मांग रहे हैं जब उसने राशि नहीं देने की बात कही तो राह चलते वार्ड सदस्य गीता देवी एवं उसके पति के।

मनरेगा में योजना मे मची लूट की अजव कहानी आलाधिकारी दोषियों पर नही कर रहे कार्यवाही

आमोद कुमार दुबे

चांदन प्रखंड के मुख्यालय स्थित पंचायत में मनरेगा योजना में लूट की कहानी धीरे-धीरे खुलकर सामने आ गई है। वैसे भी सभी योजना स्थल पर बोर्ड नहीं लगने से इसका खुलासा नहीं हो पा रहा था। लेकिन अब कुछ स्थल पर बोर्ड लगाए जाने के बाद धीरे-धीरे योजना की कलई खुलती जा रही है ।चांदन मुख्यालय के नदी पुल के पास ऐसा ही एक बोर्ड मनरेगा योजना का लगा हुआ है। योजना संख्या 3/ 17-18 है जिस में कुल राशि 9 लाख 98 हजार दर्ज है ।और उसपर योजना का नाम चांदन, कटोरिया पक्की सड़क से लेकर गोविंदपुर गांव के पास गौरीपुर पंचायत सीमा तक सड़क निर्माण कार्य लिखा हुआ है ।लेकिन इस योजना बोर्डे के चारों तरफ कहीं भी किसी प्रकार का निर्माण कार्य ने तो पूर्व में किया गया है, और ना ही अभी किया जा रहा है ।इससे स्पष्ट है कि सिर्फ बोर्ड लगाकर पैसे की निकासी की गई है। इस बोर्ड पर कार्य दिवस, मजदूरी, मानव दिवस इत्यादि कुछ भी नहीं दशार्या गया है ।इससे काम के पूरा होने और शुरू होने की कोई जानकारी किसी को भी नहीं मिल सकती है ।ऐसी ही कई और योजनाएं हैं जिस पर थोड़ा काम करने के बाद राशि का उठाव कर लिया गया है ।लेकिन आज तक वहां बोर्ड नहीं लगाया गया है। ऐसा ही एक मामला मुख्यालय के तिवारी चौक से वार्ड नंबर 7 से सड़क की हुई है ।जहां कुछ मिट्टी भराई का काम हुआ है। लेकिन शेष काम कई माह पूर्व बंद कर दिया गया है। और इस स्थल पर कोई बोर्ड भी नहीं लगा है ।इस संबंध में पूछने पर स्थानीय मुखिया छोटन मंडल ने बताया कि जमीनी विवाद के कारण काम रोक दिया गया है। जैसे ही इसका समाधान हो जाएगा काम पूरा कर दिया जाएगा।जबकि किसी भी न्यायालय या अंचल कार्यालय में कोई मामला लंबित होने की बात सामने नही आई है।

योग चिकित्सा विज्ञान से योग शिविर का आठ दिवसीय योग शिविर का आयोजन

विजय चौधरी

हसनपुर प्रतिनिधि पंतजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वावधान में योग चिकित्सा विज्ञान से योग शिविर का आठ दिवसीय योग शिविर का आयोजन उच्च विद्यालय के प्रांगण में किया गया जिसका उद्घाटन डॉक्टर जयप्रकाश विन द्वार चंदन देव जी महाराज के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डॉक्टर जयप्रकाश विद्वान ने बताया कि आज के दौड़ में नियमित रूप से योग का योगाभ्यास करने से कई प्रकार के बीमारियों से निजात मिलती है सुखी जीवन जीने के लिए लोगों को योग नियमित रूप से करना होगा योगपीठ हरिद्वार के चंदन देव जी महाराज ने लोगों को अनुलोम विलोम सूर्य नमस्कार दंडवत कर बैठक एवं विभिन्न प्रकार के लोगों का अनुभव गया अभ्यास कराते हुए उसके महत्व पर भी प्रकाश डाला उन्होंने बताया योग से नियमित रूप से योग करने से लोग आत्मनिर्भर एवं आप संपादित हो जाता है लोगों का जीवन अनुशासित एवं खुशाल होता है मौके पर बबुआ यादव सिंह लल्लू गायत्री सिंह पूर्व प्रमुख ब्लू दास निर्मल आनंद जी संजय बजाज कल्याणी देवी धीरज देवी चौधरी देवनारायण

महतो विनय गुप्ता गोविंद कुमार संतोष कुमार जितेंद्र गुप्ता मिथिलेश यादव शिव पुराण माता राजू ठाकुर आदित्य।

प्रखंड में चल रहे जल- नल योजना कितना प्रभावशाली : बी.डी.ओ ने किया पंचायतो का निरीक्षण

हेमन्त कुमार /बाराहाट

मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत संचालित जलनल योजना की जांच करने पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी ने प्रखंड के नारायणपुर पंचायत स्थित दो नंबर वार्ड का दौरा किया अपने दौरे के क्रम में अधिकारी ने संचालित योजना के तहत घर घर लगाए गए नल एवं पाइप की गुणवत्ता पर भी जांच पड़ताल की इस दौरान कई जगह अधिकारी ने पाया कि पाइप को बिना किसी स्तंभ के ही खुले में छोड़ दिया गया था जिससे अधिकारी के मुताबिक उसके कभी भी नष्ट होने की संभावना बनी हुई थी अधिकारी ने मौके पर वार्ड नंबर 2 के वार्ड समिति के सदस्यों से ऐसे सभी खुले नालों में मजबूती के साथ स्तंभ देने का निर्देश जारी किया अधिकारी ने अपने दौरे के क्रम में पंचायत में पूर्व में निर्माण कराया गया पंचायत सरकार भवन का भी अवलोकन किया अधिकारी के मुताबिक पंचायत सरकार भवन में उपलब्ध संसाधनों का बारीकी से निरीक्षण किया गया उन्होंने शीघ्र ही पंचायत सरकार भवन में सरकारी कामकाज होने की संभावना के मद्देनजर भवन में बिजली वायरिंग एवं पानी की व्यवस्था पर भी विचार विमर्श किया अधिकारी ने मौके पर पंचायत के मुखिया को पंचायत सरकार भवन के सामने पानी के जमाव से निजात के लिए मनरेगा के

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने नारायणपुर पंचायत पहुंचकर संचालित जल नल योजना की जांच की

तहत मिटटी भराई का भी निर्देश दिया वह बुधवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थिति कस्तूरबा विद्यालय पहुंचकर भी अधिकारी ने जांच पड़ताल की जिसमें अधिकारी ने पाया कि विद्यालय परिसर में पानी जमाव से गंदगी का अंबार लगा हुआ था अधिकारी ने कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन एवं पंचायत की मुखिया कुमारी दीपमाला को विद्यालय के पानी निकासी से संबंधित निर्देश जारी किया अधिकारी ने मुखिया को मनरेगा योजना के तहत सोकपिट बनाने या नाला निर्माण की बात कही

निशाने बाजी में बिहार की बेटी श्रेयसी सिंह को मिला अर्जुन पुरस्कार

राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)

नारी शक्ति की प्रमाणिकता को प्रमाणित कर होन हार प्रतिभा वान निशानेबाज श्रेयसी सिंह ने कॉमन वेल्थ गेम में अव्वल निशाने बाजी कर अर्जुन पुरस्कार को प्राप्त किया. श्रेयसी अर्जुन पुरस्कार पाने बाली बिहार की पहली महिला है .जिसने भारत के साथ -बिहार का नाम रौशन कर विश्व पटल पर एक अमिट छाप बना लिया .हमसभी बिहार बासीयो को गर्व है ऐसे होनहार और प्रतिभा वान नारी शक्ति पर जिन्होने ये शुभ दिवस दिखाया.

इसी क्रम मे महामहिम राष्टपति रामनाथ कोविंद के हाथो दिनांक 25 सितम्वर2018 को राष्टपति भवन मे आयोजित सम्मान समारोह में श्रेयसी को अर्जुन पुरस्कार प्राप्त हुआ. इस पुरस्कार को प्राप्त करने के साथ ही श्रेयसी बिहार की पहली महिला खिलाडी बन गई.साथ ही इस पुरस्कार से नबाजे गए चौथी खिलाड़ी है जिसने यह पुरस्कार प्राप्त किया.बिहार के अन्य तीन क्रमशः शिवनाथ सिंह,एथलेटिक्स में,फुटवॉल मे चंदेश्वर प्रसाद,और तीसरे नौकायन मे राजेश चौधरी ही ये पुरस्कार जीतने मे सफल रहे हैं.चौथी बिहार की पहली महिला श्रेयसी ही है.

अर्जुन पुरस्कार

अर्जुन पुरस्कार के रूप मे प्रतीक चिन्ह की लधुप्रतिमा,प्रमाण पत्र,व पांच लाख रुपए की नगद पुरस्कार महामहिम के हाथो श्रेयसी को प्राप्त हुआ.

राष्टपति रामनाथ कोविंद से अर्जुन पुरस्कार ग्रहण करती श्रेयसी सिंह.

श्रेयसी को पहले कौन कौन सा पुरस्कार प्राप्त हुआ है 2014 में इंचियोन एशियाई खेलो मे कास्य पदक, 2014 में ही ग्सासगो कॉमनवेल्थ खेलो मे रजत पदक जीत चुकी है

कौन है श्रेयसी सिंह

जमुई जिले के गिद्धौर की श्रेयसी पूर्व रेल राज्यमंत्री स्वं दिग्विजय सिह एव बांका की पूर्व सांसद पुतुल कुमारी की छोटी पुत्री है श्रेयसी अपने स्वं पिता के आर्दशो एव मां पुतुल कुमारी के आशीर्वाद को हीअपनी प्रेरणा श्रोत मान कर निरंतर अपने पथ पर नित नई उचाईयो को छु रही है.

सम्मान प्राप्त करने करने के उपरान्त श्रेयसी ने चर्चित बिहार को बताया कि यह सम्मान प्राप्त करते हुएअपार हर्ष हो रहा है .क्योकि इसके लिए मुझेअपनी माँ के साथ साथ पूरे बिहार और देशवासीयो का आशीर्वाद प्राप्त था.और आगे मझेऔर बेहतर प्रर्दशन करने की प्रेणा मिलेगी.

अर्जुन पुरस्कार पर किस किस का दबदबा रहा

अर्जुन पुरस्कार हासिल करने बालों मे फिर से निशानेबाजो का ही दबदबा रहा इस क्रम मे प्रथम महिला श्रेयसीसिंह,राही सरनोबत और अंकुर मित्तल को यह पुरस्कार मिला साथ ही युवा टेवुल टेनिस खिलाडी शंभुशंकर शर्मा को भी राष्टपति के द्वारा अर्जुन पुरस्कार प्राप्त हुआ.

दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अमरेंद्र शर्मा
अध्यक्ष
पूर्वांचल मोर्चा
शाहदरा जिला
दिल्ली

दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अरुण सिंह

रिटायर कॉमेंडेट, दिल्ली

दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

जय जयराम सिंह

समाजसेवी

दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

गोविंद कोचिंग संस्थान
वर्ग : नर्सरी से बारहवीं तक
स्थान : खुरूण्डी हसनपुर ब्लॉक रोड
निदेशक
अवधेश कुमार शर्मा
B.A. (H), B.I.L.S.
मो. नं. 9507488563

दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

विकाश होमियो क्लिनिक
मल्हीपुर रोड,
हसनपुर बाजार
डॉ. राम कुमार यादव
मो. नं. 9576084809

गांधी जयंती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

रितेश कु. गुप्ता

नगर प्रबंधक
नगर परिषद
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

आचार्य रघुनंदन शास्त्री

आवासीय मार्शल एकेडमी, खेसर,
बांका, मो.:8002850364

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

विनय पाल

विशेष शाखा
पदाधिकारी
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अनिरूद्ध प्रसाद सिंह

संस्थापक -मुक्ति
निकेतन संस्थान
कटोरिया, बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

बेबी कुमारी घोष

वार्ड पार्षद
वार्ड नं-11
नगर परिषद बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डा. पुष्पम प्रियदर्शनी

बीडीएस
दंत चिकित्सक
कटोरिया रोड, बांका

रेणु यादव

मुखिया, ग्राम पंचायत दुधारी प्रखंड, बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

पंच किशोर यादव

समाजिक कार्यकर्त्ता प्रखंड, बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

प्रदीप कुमार गुप्ता

मुखिया, ग्राम पंचायत कटोरिया
सह जिला उपाध्यक्ष
पंचायती राज प्रकोष्ट जिला, बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

HP GAS your friendly gas

रामचंद गैस एजेंसी

शिव आशीष मार्केट, बांका

स्वतंत्रता दिवस एवं बकरीद के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मुकेश कुमार

CFY M-3
सहारा इंडिया परिवार
सह अभिकर्त्ता L.I.C of India, शाखा, बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

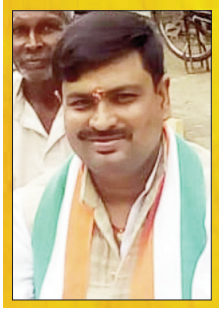

भानुप्रताप सिंह

प्रखंड कॉग्रेस अध्यक्ष, शंभुगंज जिला बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सुशीला धान

बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

दीपक कु. शर्मा

कार्यक्रम पदाधिकारी
मनरेगा- फुल्लीडुमर
जिला- बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

रितेश कु. गुप्ता

नगर प्रबंधक
नगर परिषद
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सरयू प्रसाद यादव

अध्यक्ष कुसाहा वन समिति
जिला- बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

तारा देवी

जिला परिषद सदस्या
बांका उतरी-14

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

गोबिंद राजगड़िया

बांका

स्वतंत्रता दिवस एवं बकरीद के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अरबिन्द कुमार
उत्पाद अधीक्षक
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

नवल किशोर यादव
वरीय कोषागार पदाधिकारी
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सुरेंद्र राय
जिला पंचायतीराज पदाधिकारी
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अरबिन्द मंडल
जिला परिवहन पदाधिकारी
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

उमेश कु. मंडल
कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

रवि रंजन
जिला निबंधन पदाधिकारी
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

नुजहत सुलताना
सहायक परियोजना पदाधिकारी
डी.आर.डी.ए, बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सुनिता कुमारी
सहायक परियोजना पदाधिकारी
डी.आर.डी.ए.
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

पंकज कुमार
कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा - कटोरिया जिला बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. मौलेश्वरी सिंह विद्याभूषण
M.H.M.B.B.S. (Darbhanga),
R.M.P.H. (Patna) D.C.P. (Ranchi)
Regd. No. 16261 दुधारी, बांका, मो. 9955601568

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

विजय चन्द्रा
प्रखंड बिकास पदाधिकारी
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ लक्ष्मण पंडित
एम.एस. सर्जरी सदरअस्पताल बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. प्रदीप कु. मित्रा
चिकित्सा पदाधिकारी
पी.एच.सी, बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

चंचला कुमारी
बाल बिकास परियोजना पदाधिकारी- शंभुगंज जिला बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

प्रतिज्ञा कुमारी
प्रो. प्रतिज्ञा गैस एजेंसी, कटोरिया रोड, बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

पुतुल कुमारी

प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष
सह पूर्व सांसद
बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ रंजीत वर्मा

संयोजक चिकित्सक
प्रकोष्ठ,भाजपा
पूर्वांचल मोर्चा दिल्ली प्रदेश

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ बलराम मंडल

D.E.H(Redg no 23631

ग्राम- योगीडीह
(दुधारी) बांका

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

उत्तम कुमार निराला

बांका

दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

उमर हयात उर्फ गुड्डू

प्रदेश महासचिव युवा लोजद (बिहार)

गांधी जयती एवं दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

महादेव इनक्लेव प्रा. लि.

अमर सिंह राठौर
जी. एम
महादेव इनक्लेभ प्रा. लि.

24 घंटे एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध

आर. पी.सिंह
जी. एम
महादेव इनक्लेभ प्रा. लि.